दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-97, भोपाल बुधवार 16 फरवरी 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"अपने प्रत्येक दिन को सर्वोत्कृष्ट बनाएं।"
- जॉन वुडन

10 को यूपी में बनवाएं बीजेपी सरकार 18 को घर आ जाएगा मुफ्त सिलेंडरः अमित शाह

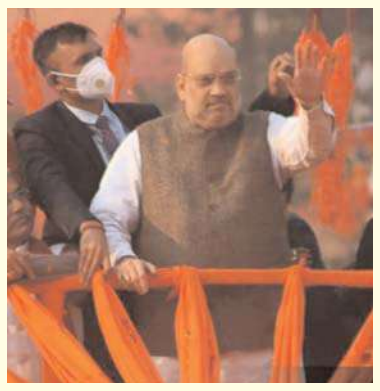

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रमुख विपक्षी दलों पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि पहले और दूसरे चरण में समाजवादी पार्टी और बसपा का सुपड़ा साफ होगा और भाजपा तेजी के साथ 300 सीटों की ओर बढ़ रही है। इसके अलावा गृहमंत्री ने वादा किया है कि 10 को प्रदेश में बीजेपी की सरकार लाओ और फ्री गैस सिलेंडर पाओ। अमित शाह ने औरैया के दिबियापुर में आयोजित जनसभा के दौरान कहा कि सपा-बसपा ने उत्तर प्रदेश में 15 साल तक सरकार चलाई, किसी गरीब के घर में गैस कनेक्शन नहीं पहुंचा। जब जनता ने भाजपा सरकार बनाई मोदी जी ने यूपी की 1.67 लाख माताओं-बहनों को गैस कनेक्शन देने का काम किया। हमने तय किया है कि होली और दीपावली में एक-एक सिलेंडर मुफ्त देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि होली 18 (मार्च) को है और 10 को मतगणना। 10 को प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनवांए और 18 तारीख तक आपके घर फ्री गैस सिलेंडर पहुंच जाएगा।

कांग्रेस छोड़ते हुए खूब सुना गए पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार

नई दिल्ली। पूर्व कानून मंत्री अश्विनी कुमार ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। कुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को इस्तीफा भेजा और कहा कि वह पार्टी से बाहर रहकर देश के लिए बेहतर तरीके से कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा कुमार जाते-जाते कांग्रेस लीडरशिप पर भी सवाल खड़े कर गए हैं। पूर्व कानून मंत्री ने कहा कि कांग्रेस लीडरशिप में दम नहीं है। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद अश्विनी कुमार ने कहा %कांग्रेस वह पार्टी नहीं है जो वह थी, हमारे पास पार्टी का नेतृत्व करने के लिए एक परिवर्तनकारी और प्रेरक नेतृत्व नहीं है.

किसान नेताओं ने कहा- खाद की कालाबाजारी पर लगाएं रोक

बिलासपुर। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने जिला प्रमुख धीरेन्द दुबे की अगुवाई में किसानों की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। इस दौरान किसान संघ प्रतिनिधि मंडल के सदस्य प्रदेश संगठन मंत्री तुलाराम ,प्रदेश महामंत्री नवीन शेष ,प्रदेश कोषाध्यक्ष गजानन्द दिघ्रस्कर जिला मंत्री सोनू तिवारी भी मौजूद थे। किसान नेता धीरेन्द्र दुबे ने सिटी मजिस्ट्रेट को बताया कि किसानों को रबी फसल के लिए खाद की सख्त जरूरत है। खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान और साहूकार मालामाल हो रहे है। कालाबाजारी पर जल्द से जल्द रोक लगाए जाना जरूरी है।

कार्टून

55 करोड़ लोग आयुष्मान का लाभ उठा रहे हैं लेकिन केजरीवाल ने इसे दिल्ली में लागू नहीं होने दिया

आजादी के बाद अगर गरीबों की सही चिंता किसी ने की है तो वह मोदी सरकार हैः आदेश

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि आजादी के 70 सालों के बाद भी अगर गरीबों की सही चिंता किसी ने की है तो वह केंद्र की मोदी सरकार है। 55 करोड़ लोग आज आयुष्मान योजना का लाभ उठा रहे हैं लेकिन यह बहुत दुख की बात है कि दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने इस योजना को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया नहीं तो इतनी बड़ी कोरोना संकट में गरीब एवं सामान्य वर्ग के लोगों को जो अस्पतालों में लाखों के बिल देने पड़े वह नहीं देने पड़ते। आज मादीपुर कॉलोनी में नमो सेवा केंद्र के उद्घाटन मौके पर श्री गुप्ता ने कहा कि पिछले सात सालों में एक भी राशन कार्ड नहीं बन पाया है। 16 लाख राशनकार्ड बनाने वालों का आवेदन लंबित पड़ा है। आदेश गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा की केंद्र सरकार झुग्गी झोपड़ी वासियों के लिए उज्जवला योजना के तहत चूल्हा गैस सिलेंडर एवं 2 लाख रुपये तक की बीमा और रेहड़ी पटरी वालों के लिए स्वनिधि योजना के तहत 10 हज़ार रुपये तक का लोन दे रही है। यही नहीं मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना ऐसी तमाम योजनाएं हैं जिनसे जनता लाभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि भीम राव अंबेडकर का नाम सिर्फ चुनावों में वोट पाने के लिए किया जाता रहा लेकिन वास्तव में उनका किसी सरकार ने सम्मान बढ़ाने का काम किया है तो वह मोदी सरकार है। कांग्रेस कभी भी नहीं चाहती थी कि भीमराव अंबेडकर का महिमामंडन हो। कांग्रेस द्वारा महापुरुषों के नाम को दबाने की कोशिश की गई चाहे वह सरदार वल्लभ भाई पटेल हो, नेताजी सुभाष चंद्र बोस हो या फिर अन्य महापुरुष हो। श्री गुप्ता ने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प हमेशा से ही सेवा का रहा है।केंद्र की जनकल्याणकारी योजना हो या फिर कार्यकर्ताओं के व्यक्तिगत प्रयास हो, लोगों की मदद करना ही हमारा एकमात्र लक्ष्य रहा है और उसी संकल्प के कारण आज यह नमो सेवा केंद्र खोला जा रहा है। झुग्गीवासियों के मेहनत और प्रयास से ही दिल्ली सजती और सवरती है और उसकी खुबसूरती में चार चांद लगते है। आज नमो सेवा केंद्र के उदघाटन मौके पर प्रदेश प्रवक्ता मोहन लाल गिहारा, प्रदेश मंत्री एवं पार्षद सुनीता कांगड़ा, प्रदेश मंत्री नीरज तिवारी, जिला अध्यक्ष सचिन भसीन, जिला प्रभारी सतेन्द्र सिंह एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली को शराब कारोबार की राजधानी बना दियाः आदेश गुप्ता

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि विगत 7 वर्ष खासकर विगत 2 वर्ष दिल्ली के राजनीतिक इतिहास के काले वर्ष हैं जिसमें दिल्ली का विकास ठप्प हो गया और सरकार ने एक ओर जनता को कोरोना काल में स्वास्थ एवं रोजगार पर तो निराश किया ही वहीं दूसरी तरफ दिल्ली को शराब कारोबार की राजधानी बना दिया है। साल 2015 के चुनावी घोषणा पत्र के 70 वायदें एवं साल 2020 में किए गए 28 वायदों को पूरा न करके 'आप' सरकार ने दिल्ली की जनता को निराश ही किया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार के दूसरे शासन की शुरुआत दिल्ली दंगों से हुई जिन सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के अनेक नेताओं के साथ ही उनके शरजिल इमाम जैसे वैचारिक समर्थकों का नाम आया पर केजरीवाल इन सब पर मौन रहे। इसके तुरंत बाद कोविडकाल आया जिसके तीन चरणों में अरविंद केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता को निराश किया। दिल्ली ने देखा कि वर्ल्ड क्लास स्वास्थ सेवाओं का दावा करने वाली केजरीवाल सरकार ने जनता को कोविड जांच सुविधा, मेडिकल परामर्श सेवा, अस्पताल बेड, दवाओं को देने में निराश किया और दूसरे मुख्य चरण में जब मरीज़ों को ऑक्सीजन की जरूरत पड़ी तो सरकार ने ना सिर्फ निराश किया बल्कि मुख्यमंत्री द्वारा नामित एक दिल्ली रत्न के ऑक्सीजन कालाबाजारी में पकड़े जाने से मानवता शर्मसार हुई। कोविडकाल में जिस सरकार ने मजदूरों को दिल्ली से पलायन करने को उकसाया ऐसी सरकारी बेशर्मी किसी अन्य राज्य में नहीं देखी गई। कोविड पश्चात आज जब व्यापारी दिल्ली को आर्थिक गति देने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं तो केजरीवाल सरकार कोई प्रोत्साहन या बिजली बिलों आदि में कोई राहत नहीं दे रही है। श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा, पर्यावरण एवं परिवहन के बड़े बड़े दावे करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने गत 7 साल में दिल्ली में एक भी नया स्कूल या कॉलेज नहीं खोला है। पर्यावरण पर सरकार के पास कोई नीति नही है, केवल कोरी बयानबाजी करती है जिसका नतीजा है कि दिल्ली देश की प्रदूषण राजधानी बन गई है। जिस दिल्ली को सी.एन.जी. बसों के विशाल बेड़े ने नई पहचान दी थी वह आज कंडम बसों के बेडे में चलकर शर्मसार है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने गत दो वर्ष में दो मामलों में जरूर दिल्ली को खूब विकास दिखाया है, वह हैं दिल्ली जल बोर्ड जैसे सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार करके और भ्रष्ट शराब नीति बना कर। दिल्ली जलबोर्ड का 60000 करोड़ रूपए का घोटाला हो या फिर डयूसिब के घोटाले दिल्ली की जनता ने इतना भ्रष्टाचार पहले कभी नही देखा। इसके साथ ही नगर निगम को आर्थिक रुप से पंगु बनाने की हर तरह से कोशिश की गई। उपलब्धि के नाम पर केजरीवाल सरकार के पास सिर्फ यह है कि उसकी लाई नई शराब नीति के चलते दिल्ली देश की शराब राजधानी बन गई है।

योगी राज में मुस्लिम नहीं सुरक्षित- अखिलेश

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के 10 मार्च को आने वाले नतीजे %बाबा मुख्यमंत्री% की गर्मी भाप बन कर उड़ा देंगे। फतेहपुर के जहानाबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अखिलेश ने मंगलवार को कहा कि भाजपा जातियों के नाम पर झगड़ा कराना चाहती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए वह पिछड़े और दलितों को धोखा दे रही है। मुस्लिम अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। अगड़ी जातियों के साथ भी अन्याय किया जा रहा है। सपा सरकार के आने पर जातीय जनगणना करायी जायेगी और आबादी के हिसाब से उन्हे हक और सम्मान दिलाने का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर प्रहार करते हुए उन्होने कहा, %%बाबा मुख्यमंत्री इन दिनों अपने भाषण बहुत सारी बातें कर रहे हैं। कानून व्यवस्था से लेकर सपा के लोगों को तमंचावादी तक कह रहे हैं। फतेहपुर की जनता जानती है कि भाजपा के नेता सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक जमीन कब्जा करने का काम करते हैं। भाजपा के नेता शराब के धंधे में लिप्त हैं। उनमे सबसे ज्यादा फतेहपुर से ही ताल्लुक रखते हैं। मुख्यमंत्री तो वास्तव में सोए हुए है, जो सो चुके है, उन्हें जगाने के लिए, चिलम वाले लोगों को हटाने के लिए जनता तैयार है।

हिजाब विवाद में कूदा इस्लामिक देशों का संगठन भारत ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। कर्नाटक के स्कूलों एवं कॉलेजों में हिजाब पहनने की अनुमति न होने पर छिड़े विवाद ने अब अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। मुसलमान देशों के संगठन इस्लागिक सहयोग संगठन ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की है और भारत को नसीहत देने की कोशिश की है। इस्लामिक सहयोग संगठन ने ट्वीट किया, %इस्लामिक सहयोग संगठन का सचिवालय यह मांग करता है कि भारत मुस्लिम समुदाय की सुरक्षा, उनके हितों का ख्याल रखे। इस्लाम को मानने वाले लोगों की जीवनशैली की रक्षा करे। इसके अलावा हिंसा के लिए उकसाने वाले लोगों और हेट क्राइम करने वालों के खिलाफ कड़ा ऐक्शन लिया जाए। इस्लामिक सहयोग संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मांग की है कि वह इस मामले में दखल और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रयास करे। इतना ही नहीं इस्लामिक सहयोग संगठन ने भारत को हरिद्वार में हुई धर्म संसद के दौरान हेट स्पीच को लेकर भी भारत को उपदेश देने की कोशिश की है। हालांकि भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन के रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है और कहा कि भारत में हर मजहब के लोग बहुत खुशी के साथ रह रहे हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कोई भी भारत को उपदेश नहीं दे सकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि क्या पाकिस्तान में कोई लड़की जय श्री राम का नारा लगा सकती थी। मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यदि पाकिस्तान में कोई लड़की जय श्री राम का नारा लगा देती तो उसका तो सिर ही कलम किया जा सकता था। इस्लामिक सहयोग संगठन में कुल 57 मुस्लिम देश शामिल हैं, जिनमें पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब जैसे बड़े मुस्लिम देश भी हैं।

मुख्य आरोपी मंत्री पुत्र आशीष की रिहाई का आर्डर जेल पहुंचा

लखनऊ । लखीमपुर के तिकुनिया कांड के मुख्य आरोपी केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की रिहाई का आदेश जेल पहुंच गया है। कुछ देर में उनके जेल से बाहर आने की उम्मीद है। हाईकोर्ट से जमानत के बाद आशीष की रिहाई संभव हो सकी है। आशीष 128 दिन बाद जेल से बाहर आएंगे। इससे पहले हाईकोर्ट से आदेश आने के बाद सोमवार को जिला जज की कोर्ट में जमानतनामे दाखिल किए गए थे। जिला जज मुकेश मिश्रा ने दो जमानतदारों और उनके द्वारा जमानत में लगाई गई सम्पत्ति का सत्यापन कराने के लिये संबंधित थानाध्यक्ष और तहसीलदार को आदेश दिया था। तीन अक्तूबर को हुए तिकुनिया कांड में चार किसान ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ता मारे गए थे। चार किसानों समेत एक पत्रकार की मौत में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र के पुत्र आशीष मिश्र उर्फ मोनू समेत 14 आरोपियों के खिलाफ एसआईटी आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। इसकी सुनवाई जिला जज की कोर्ट में चल रही है। इस मामले आशीष मिश्र 10 अक्तूबर से जिला जेल ने बंद हैं। जिला जज की अदालत से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद जमानत के लिए उच्च न्यायालय लखनऊ में अर्जी दाखिल की गई थी। जिस पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने दस फरवरी को जमानत अर्जी मंजूर करते हुए जमानत आदेश जारी कर दिया था।

फ्यूचर-रिलायंस डील में आगे बढ़ने के लिए अब दिल्ली हाईकोर्ट जाएं- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने रिलायंस के साथ डील के लिए मंजूरी मांगने के लिए फ्यूचर रिटेल लिमिटेड को आगे बढ़ने की अनुमति देने के मुद्दे को दिल्ली हाईकोर्ट को ले जाने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को यह तय करने का निर्देश दिया कि क्या एफआरएल को रिलायंस डील के लिए मंजूरी लेने की प्रक्रिया के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी जा सकती है? फ्यूचर ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट से रिलायंस के साथ 24713 करोड़ रुपये की एसेट डील प्रकिया को एनसीएलएटी की मंजूरी के लिए आगे बढ़ाने की इजाजत मांगी थी। तीन फरवरी सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर ग्रुप की अर्जी पर फैसला सुरक्षित रखा था। अब सुप्रीम कोर्ट को ये तय करना था कि क्या फ्यूचर ग्रुप को फ्यूचर रिटेल - रिलायंस एसेट सेल

डील के लिए रेगुलेटरी मंजूरी के लिए प्रक्रिया की इजाजत दी जा सकती है? फ्यूचर ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि हमें शेयरधारक की मंजूरी हासिल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। सीसीआई, एनसीएलएटी से मंजूरी लेने के लिए प्रक्रिया को आगे बढ़ने देना चाहिए। सौदे को अंतिम रूप देने में महीनों तक चलने वाली लंबी प्रक्रियाएं शामिल हैं। अदालत ने पहले ही अमेज़ॉन को यह निर्देश देकर सुरक्षित कर दिया है कि सौदे की अनुमति के लिए कोई अंतिम आदेश पारित नहीं किया जाएगा। यदि अनुमोदन लंबित होने तक अंतिम चरण तक सौदे को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाती है तो कोई नुकसान नहीं होगा। अमेज़ॉन प्रक्रिया को पंगु बनाने की कोशिश कर रहा है। एफआरएल को उधारदाताओं की ओर से दिवालियापन की कार्यवाही की धमकी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों दिल्ली हाईकोर्ट ने सिंगापुर ट्रिब्यूनल में अमेजॉन की मध्यस्थता की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी।

तारीफ से गदगद नीतीश कुमार, फिर मांगा विशेष राज्य का दर्जा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस परिपाटी को रोकने वाला चमकदार उदाहरण बताए जाने पर आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ समाजवादी नेता ने यह आभार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पिछले सप्ताह दिए गए साक्षात्कार के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में व्यक्त किया जिसमें उन्होंने राजनीतिक दलों में परिवार के प्रभुत्व की निंदा की थी और कहा था इनमें वे भी शामिल हैं जो ''समाजवाद की विचारधारा से जुड़े रहने का दावा करते हैं। मोदी की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बिहार में मुख्य विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को लेकर थी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। मोदी ने कहा था कि दिवंगत राम मनोहर लोहिया और जॉर्ज फर्नांडिज के अलावा ''हमारे सहयोगी नीतीश बाबू हैं जो समाजवादियों के तौर पर उभरे व अपना राजनीतिक वंश स्थापित करने के लालच में नहीं पड़े। कुमार ने बिना नाम लिए कहा जबतक आप अपनी मेहनत से हासिल करते हैं तो ठीक है लेकिन एक बार आप अपनी पत्नी को अपने स्थान पर नियुक्त करते हैं, पार्टी पर बेटे को थोपना शुरू कर देते हैं तो आप खतरनाक कदम उठाते हैं। उल्लेखनीय है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाया था और अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव को नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। कुमार ने जोर दिया कि किसी भी पार्टी के लिए लंबे समय के लिए वंशवाद नुकसानदेह है। उन्होंने कहा, ''कई स्थानों पर ऐसी पार्टियां अपना प्रभाव खोने लगी हैं।उन्होंने कहा यह प्रधानमंत्री की कृपा है जिन्होंने इस मुद्दे पर बात की।इसके साथ ही नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए 'योग्य है। उन्होंने इसके साथ ही अपनी यह मांग भी दोहराई।

भेल भोपाल द्वारा 33 केवी गैस इंसुलटेड स्विचगियर के लिए पहली बार स्वदेशी रूप से टॉप माउंटेड बस पीटी विकसित

भोपाल. भेल भोपाल के स्विचगियर इंजीनियरिंग विभाग ने पहली बार 33 केवी गैस इंसुलटेड स्विचगियर ;जीआईएसद्ध के लिए स्वदेशी रूप से एक कॉम्पैक्ट और कम लागत के बस पोटेंशियल ट्रांसफार्मर मॉड्यूल को डिजाइन और विकसित किया है। इस मॉड्यूल के उपयोग से जीआईएस स्विचबोर्ड में किसी अलग पीटी पैनल की आवश्यकता नहीं होगी। पुरानी डिजाइन में एक अलग पीटी पैनल प्रदान किया गया थाय जिसकी लागतए आकार और वजन नियमित फीडर पैनल के बराबर था। यह टॉप माउंटेड बस पीटी मॉड्यूल किसी भी भारतीय जीआईएस मैनुफेक्चर द्वारा पहली बार स्वदेशी रूप से विकसित किया गया है। नया पीटी मॉड्यूल सफ्लतापूर्वक विकसित करके एक साइट ;एचवीपीवीएलए सेक्टर.107 गुरुग्रामए हरियाणाद्ध में स्थापित और कमीशन किया गया है। इस मॉड्यूल के द्वारा लागत में 57: बचत हासिल की गई है। इसके अलावा आकार और वजन पारंपरिक पीटी पैनल की तुलना में 80: तक कम हो गया है। फिर नई डि?इन पर्यावरण के भी अनुकूल डिजाइन हैए क्योंकि यह कम सल्फर हेक्सा फ्लोराईड गैस की खपत करता हैए और उपकरण के फुटप्रिन्ट एरिया को भी कम करता है । भारत शासन की ष्मेक इन इंडियाष् और ष्आत्मनिर्भर भारत ष् योजनाओं के अंतर्गत गैस पीटी विकसित करने के कारण पीटी पैनल की लागत भी कम हुई है। स्वदेशी पीटी के उपयोग से उसकी लागत 90: तक कम हुई है। उपरोक्त डि?इन पर बीएचईएल को पेटेंट भी प्राप्त हुआ है। उपरोक्त प्रोजेक्ट की टीम में श्री अरुण कुमार लीडर श्री श्रीकृष्ण प्रसाद श्री आरआर राहीए श्री अनिल नागपुरे एवं श्री सुजीत जाइसवाल शामिल थे।

केंद्र सरकार का बजट आ चुका है। राज्य का मार्च के पहले सप्ताह में आने वाला है। इसके साथ ही शहर सरकार का बजट भी तैयार होना शुरू हो गया है। शहर सरकार का बजट हमारी आपकी जिंदगी को सीधा प्रभावित करता है, क्योंकि यह हमारी रोजमर्रा की जिंदगी से सीधा जुड़ा होता है। केंद्र और राज्य की तरह शहर सरकार का बजट भी गोपनीय तरीके से बनता है। बजट की गोपनीयता बनाए रखने के लिए बजट न तो आईएसबीटी पर बनता है और न माता मंदिर पर। कंप्यूटर सेक्शन के जिस कक्ष में बजट तैयार होता है, वहां किसी अन्य व्यक्ति को जाने की इजाजत नहीं होती।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सड़क हादसों में निधन पर किया शोक व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में पिकअप वाहन पलटने से पश्चिम बंगाल के 4 श्रमिकों और रतलाम में हुई सड़क दुर्घटना में राजस्थान के चार नागरिकों के असमय निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं परिजन को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शिवपुरी जिला प्रशासन को घटना में घायल श्रमिकों के समुचित इलाज के निर्देश देते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

15-28 फ़रवरी तक चलेगा सघन पोषण पखवाड़ा

भोपाल। संचालक महिला बाल विकास डॉ. राम राव भोसले ने बताया कि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्द्धन कार्यक्रम में 15 से 28 फरवरी की अवधि में प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सघन पोषण पखवाड़ा मनाया जाएगा। पखवाड़े में समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों में बच्चों के पोषण के प्रति परिवार एवं समुदाय को जागरूक करने, स्वस्थ रहने, परिवार एवं बच्चों में स्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने एवं वर्तमान में पोषण स्तर की जानकारी प्राप्त करना है। संचालक डॉ. भोंसले ने बताया कि पखवाड़े के प्रथम सप्ताह में प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे के मध्य आँगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की शारीरिक माप की जाएगी। शेष दिवसों में दोपहर एक बजे के बाद टोले, मजरों अनकर्ब्ड क्षेत्र के छोटे बच्चों की शारीरिक माप उनके घर-घर जाकर आँगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहयोगी संस्था द्वारा की जाएगी। स्कूल शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा मिलकर विशेष शिविरों का आयोजन ग्राम और शहरी वार्ड वार किया जाएगा। डॉ. भोंसले ने बताया कि अडॉप्ट एन आँगनवाड़ी कार्यक्रम में पंजीकृत सहयोगियों का सघन पोषण पखवाड़े में सहयोग प्राप्त किया जाएगा। इसमें आंकड़ों की प्रविष्टि एवं रिपोर्टिंग परियोजना वार ऑनलाइन प्रपत्र में एमआईएस आँगनवाड़ी केंद्र वार बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी की संख्यात्मक प्रविष्टि की जाएगी। बच्चों में कुपोषण स्तर के आंकलन के बाद सैम श्रेणी के चिन्हांकित बच्चों को मुख्यमंत्री बाल आरोग्य के संवर्धन कार्यक्रम में शामिल करते हुए आईएमएएम रणनीति में बच्चों का उपचार एवं पोषण प्रबंधन किया जाएगा। सघन पोषण स्पर्धा और केंद्र स्तर पर आयोजित होने वाली अन्य गतिविधियों का प्रतिदिन फ़ेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम एवं यूट्यूब के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जाएगा।

मप्र में मिशन 2023 के लिए दलित वोटरों पर फोकस

संत रविदास जयंती पर भाजपा सत्ता-संगठन के साथ पंचायत स्तर तक झोंक रही ताकत

भोपाल

मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव में लंबा समय बाकी है। लेकिन इसके लिए दोनों प्रमुख दलों ने इसे लेकर बनाई रणनीतियों पर काम करना शुरू कर दिया है। मिशन-2023 के चलते अभी से जातिगत समीकरण जमाने लगे हैं। आदिवासियों के बाद अब दलित वर्ग के वोटरों को रिझाने की कोशिश रहेगी। इसलिए संत रविदास जयंती के बहाने भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां दलित वोटर्स को साधने में जुट गई हैं। प्रदेशभर में दोनों दलों द्वारा जगह-जगह आयोजन कराने की तैयारी में जुटे हैं। भाजपा सरकार इस बार रविदास जयंती ग्राम पंचायत स्तर तक मनाएगी। इसके लिए सत्ता और संगठन दोनों एक साथ जोर लगा रहे हैं। दरअसल, मध्यप्रदेश में इस वर्ग के लिए 35 सीटें आरक्षित हैं। इन सीटों के अलावा दलित वर्ग के वोटर अन्य सीटों पर भी असरदार है। इसलिए दलित वर्ग पर पैनी नजर जमाए है। पिछले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को इनकी सीटों पर नुकसान उठाना पड़ा है। इसलिए बीजेपी को सत्ता हासिल नहीं हो सकी थी। 2013 की तुलना में अनुसूचित जाति वर्ग की 10 सीटों का नुकसान हुआ। 28 से सीट घटकर 18 पर आ गईं। इसलिए भाजपा दलित वर्ग को साधने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है।

शिवराज बोले- रविदास सबके संत

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खुद सोमवार को समीक्षा बैठक कर रविदास जयंती को लेकर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। सीएम ने कहा प्रदेश में राज्य, जिला, ब्लॉक और सभी पंचायतों में कार्यक्रम किए जाएंगे। संत रविदास सबके संत हैं।

कमलनाथ की सागर में होगी बड़ी जनसभा

कांग्रेस भी रविदास जयंती के कार्यक्रमों को लेकर तैयारियों में जुटी है। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ 16 फरवरी को सागर में रविदास जयंती पर विशाल सभा को संबोधित करेंगे।

रेलवे के इंजीनियर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पत्नी से कहासुनी के बाद घर की खिड़की पर फंदा लगाकर दी जान, पड़ोसियों ने शव देख बेटे को बताया

भोपाल।

शाहपुरा इलाके में रेलवे के इंजीनियर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि आत्महत्या से पहले उनकी पत्नी से कहासुनी हुई?थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक डीके 24 कैरेट कालोनी शाहपुरा में रहने वाले अभय जाधव (59) रेलवे में इंजीनियर थे। वर्तमान में उनकी ड्यूटी जबलपुर में थी। उनकी पत्नी और बच्चे भोपाल में रहते हैं। वह अक्सर घर आते थे। पिछले दिनों वह भोपाल आए थे, सोमवार रात को उनकी किसी बात को लेकर पत्नी से कहासुनी हो गई। थोड़ी देर बाद उन्होंने अपने घर की खिड़की पर फंदा बनाकर फांसी लगा ली। मंगलवार सुबह साढ़े सात बजे उनके पड़ोसियों ने उन्हें फंदे पर लटके देख उनके बेटे मयंक जाधव को जानकारी दी। बताया गया कि अभय जाधव का शव घर से बाहर की तरफ लटका हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भेज दिया है। घटनास्थल की तलाशी लेने पर सुसाइड नोट नहीं मिला। परिजन ने प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि उनकी पत्नी से अक्सर कहासुनी होती थी। सोमवार रात में भी दंपती के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुईथी।

राधारमण कॉलेज ने ग्रामीणों के लिए आयोजित किया हैल्थ चेक अप कैम्प

भोपाल। राधारमण आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवम रिसर्च हॉस्पिटल द्वारा ग्राम पंचायत कुशलपुरा के आंगनवाड़ी केन्द्र पर विगत दिवस एक निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा आर्थराइटिस (जोड़ो के दर्द), लंबर पेन (कमर दर्द), सर्वाइकल स्पॉन्डिलोसिस (गर्दन दर्द) सर दर्द, सर्दी, खांसी, जुकाम व महिलाओं में होने वाले श्वेत प्रदर आदि बीमारियों की जांच की गई व दवाईयों का वितरण किया गया। इस शिविर में आए चिकित्सकों ने बीमारियों से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली व रोगों के अनुरूप खानपान संबंधी सलाह भी प्रदान की। साथ ही विशेषज्ञों ने मरीजों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस शिविर में जिन चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं उनमें पंचकर्म विशेषज्ञ डॉ. गोविन्द मोयल, एम. डी. (पंचकर्म), हॉस्पिटल के डिप्टी सुप्रिंटेंडेंट डॉ. अश्विनी पलटलवाला, मेडीकल ऑफिसर डॉ. हर्षा काकडे, मेडीकल ऑफिसर डॉ. विंध्यवासिनी पोर्ते एवं सहायक दीपेन्द् उपाध्याय शामिल थे। राधारमण समूह के चेयरमेन आर आर सक्सेना ने कहा कि उनका समूह अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन के प्रति पूरी तरह से सजग है और इस प्रकार के शिविरों का आयोजन कर स्वस्थ व्यक्ति स्वस्थ समाज के सिद्धांत को आगे बढ़ा रहा है। समूह द्वारा आसपास के अनेकों गांवों में वर्षभर ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता है। साथ ही आवश्यक होने पर समूह के अस्पताल में भर्ती कर मरीजों का निशुल्क उपचार भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस सेवा कार्य को और अधिक विस्तार दिया जाएगा.

बिजली बिलिंग संबंधी शिकायतें आधी हुईं

भोपाल

उपभोक्ताओं के परिसर में फोटो मीटर रीडिंग (पीएमआर) और मीटर वाचन की साप्ताहिक समीक्षा के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों में जहाँ मई 2021 में 19 हजार 425 बिलिंग संबंधी शिकायतें आई थी, वही दिसंबर 21 में बिलिंग संबंधी शिकायतें घटकर 9 हजार 692 आई हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि बिलिंग संबंधी शिकायतें अब लगभग आधी हो गई हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रयास हैं कि बिलिंग संबंधी शिकायतों को शून्य लेवल पर लाया जाए। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि फोटो मीटर रीडिंग निष्ठा एप के माध्यम से की जा रही है। दरअसल फोटो मीटर रीडिंग ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं है और मीटर में अंकित वाचन की फोटो खींचकर सिस्टम में अपलोड की जाती है। मीटर वाचकों पर कड़ी निगरानी और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों को सेवा से मुक्त किये जाने की कार्यवाही से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिली है। कुछ शहरों में क्यूआर कोड लगाने से भी फायदा मिला है एवं इससे मीटर वाचन की प्रक्रिया जल्दी हो रही हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि भोपाल शहर में जहाँ मई 21 में बिलिंग संबंधी 5 हजार 675 शिकायतें आई थी। वहीँ जून 21 से प्रतिमाह निरंतर घटते हुए दिसंबर 21 में 2 हजार 931 रह गई। इसी प्रकार भोपाल ग्रामीण में मई 21 में 1 हजार 778 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो दिसंबर 21 में घटकर 591 रह गई हैं। ग्वालियर शहर में मई 21 में बिलिंग संबंधी 3 हजार 291 शिकायतें प्राप्त हुई, जो दिसंबर 21 में घटकर 1 हजार 658 रह गईं। कंपनी ने कहा है कि मीटर वाचकों को प्रभावी प्रशिक्षण, निगरानी और मीटर वाचकों के कामकाज की साप्ताहिक समीक्षा और लापरवाही बरतने वाले मीटर वाचकों पर कार्यवाही का नतीजा है कि फोटो मीटर रीडिंग के माध्यम से उपभोक्ताओं के परिसर की फोटो मीटर रीडिंग शुद्धता (एक्युरेसी) के साथ हो रही है। कंपनी ने उम्मीद व्यक्त की है कि अगले तीन-चार माहों में बिलिंग संबंधी शिकायतें शून्य की ओर होंगी।

उर्दू अकादमी ने की 'तलाश ए जौहर' में 300 नए रचनाकारों की खोज

भोपाल

उर्दू अकादमी ने प्रदेश के नए रचनाकारों को मंच देने के लिए तलाश ए जौहर कार्यक्रम की शुरुआत की है। प्रदेश के शहरों, कस्बों एवं गाँवों से रचनाकारों की खोज के लिए हर जिले में एक समन्वयक बनाया है, जिनके माध्यम से नए रचनाकारों की खोज जारी है। उर्दू अकादमी के निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि प्रदेश में बनाये गए जिलेवार 50 समन्वयकों के माध्यम से तलाश ए जौहर में लगभग 300 नए रचनाकारों की खोज की गई है।

इस प्रक्रिया में प्रथम चरण में जिला समन्वयकों के माध्यम से लगभग 300 काव्य रचनाएँ प्राप्त हुई थी। रचनाकारों के चयन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। समिति ने लगभग 220 नए रचनाकारों का चयन अगले चरण के लिए किया है। इसमें चयनित रचनाकारों को शायरी प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 19 फ़रवरी 2022 को इंदौर से की जायेगी, जिसमें सर्वश्रेष्ठ मौलिक लेखन के लिए चयनित रचनाकारों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से नए रचनाकारों के नाम उर्दू अकादमी द्वारा वर्तमान में तैयार की जा रही डिजिटल डायरेक्टरी में अंकित किये जायेंगे। अकादमी की डिजिटल डायरेक्टरी से प्रदेश के रचनाकारों को देश-दुनिया में पहचाना जा सकेगा और उनकी प्रतिभा को मंच मिल सकेंगे।

हारा वही जो लड़ा नहीं : दिव्यांग प्रतिभाओं के मंचीय प्रोत्साहन का साहित्य अकादमी का अभिनव प्रयास

दिव्यांगों के जीवन पर रचने, बात करने और समझने से ही बढ़ेगी संवेदनशीलता और मिटेगी दूरी

भोपाल

साहित्य अकादमी के निदेशक डॉक्टर विकास दवे ने बताया कि दिव्यांगों के जीवन, उनके सुख-दु:ख, सरोकारों और सामान्यजन के बीच एक खाई सी बनी हुई है। साहित्य और कलाएँ इस अंतर को पाटने का काम कर सकतीं हैं। इसी उद्देश्य को लेकर मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा दिव्यांग विमर्श, संचेतना और दिव्यांग प्रतिभाओं की मंचीय प्रस्तुति का विशिष्ट आयोजन - हारा वही जो लड़ा नहीं 15 फ़रवरी को शाम 5ः30 बजे से जनजातीय संग्रहालय भोपाल में किया जाएगा। इसमें देश के साहित्य की सबसे बड़ी ऑनलाइन लाइब्रेरी कविता कोष और गद्य कोष की स्थापना करने वाले श्री ललित कुमार, सुप्रसिद्ध स्टैंड अप कॉमेडियन एवं मिमिक्री आर्टिस्ट श्री अभय कुमार शर्मा भाग लेंगे। साथ ही नेत्र बाधित कवियों का कवि सम्मेलन भी होगा। डॉ. विकास दवे ने बताया कि दिव्यांग विमर्श की ज़रुरत और संभावनाओं के साथ दिव्यांगों को आधुनिक सूचना क्रांति और तकनीकी खोजों का त्वरित लाभ मिलने के विषयक सत्रों को श्री ललित कुमार सम्बोधित करेंगे। उनके साथ दिव्यांग संचेतना के लिए लम्बे समय से समर्पित संस्कृतिकर्मी श्री आलोक बाजपेयी चर्चा करेंगे। हारा वही जो लड़ा नहीं के अगले सत्र में जाने-माने स्टैंड अप कॉमेडियन श्री अभय कुमार शर्मा हास्य के सागर में गोते लगवाएँगे। वाराणसी के नेत्र बाधित कलाकार ने अपनी तमाम शारीरिक दिक्कतों के बाद भी कॉमेडी जगत में अपना स्थान बनाया है। कई रिएलिटी शो में नज़र आ चुके श्री अभय कुमार अपनी विशिष्ट प्रतिभा से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को भी प्रभावित कर चुके हैं। अंतिम सत्र में नेत्र बाधित कवियों का सम्मेलन होगा, जिसमें डॉ. मनीष चौधरी (इंदौर), श्री ऋषि राज (सीहोर), श्री राधेश्याम पानवरिया (रायसेन) एवं श्री पीयूष गुप्ता (भोपाल) रचना पाठ करेंगे। डॉ. दवे ने बताया कि साहित्य अकादमी दिव्यांग विमर्श पर केंद्रित आयोजन करने वाली पहली अकादमी है। यह एक अनूठा आयोजन होगा, जिसमें दिव्यांग विमर्श पर चर्चा भी करेंगे और प्रस्तुति भी वे ही देंगे। इसके साक्षी बनने से हमारी दिव्यांग संचेतना का विस्तार निश्चित है। विमर्श में दर्शकों का प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने राजिम माघी पुन्नी मेले की प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 16 फरवरी से प्रारंभ हो रहे राजिम माघी पुन्नी मेला और शिवरीनारायण मेला की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। श्री बघेल ने कहा है कि

राजिम माघी पुन्नी मेला छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक है। यहां छत्तीसगढ़ की लोक कला संस्कृति का दर्शन होता है। छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में महानदी, पैरी और सोंढूर नदियों के पवित्र त्रिवेणी संगम पर सदियों से इस मेले का आयोजन होता है। छत्तीसगढ़ ही नहीं आसपास के राज्यों के लोग भी बड़ी संख्या में श्रद्धापूर्वक इस मेले में शामिल होते हैं। राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक परम्पराओं को संरक्षित और संवर्धित करने के प्रयासों के तहत राजिम माघी पुन्नी मेले को उसके प्राचीन मूल स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। श्री बघेल ने कहा कि राजिम की तरह माघ पूर्णिमा के अवसर पर शिवरीनारायण में भी महानदी, शिवनाथ और जोंक नदी के पावन संगम पर शुरू होने वाले मेले में भी लोग बड़ी श्रद्धा और आस्था के साथ शामिल होते है। उन्होंने महानदी के तट पर सिरपुर में माघी पूर्णिमा के दिन से शुरू हो रहे सिरपुर महोत्सव की शुभकामनाएं भी प्रदेशवासियों को दी हैं।

मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि रविदास की जयंती पर उन्हें नमन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने महान संत एवं समाज सुधारक संत शिरोमणि रविदास जी की 16 फरवरी जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत रविदास जयंती की बधाई देते हुए कहा है कि संत रविदास ने सामाजिक बुराईयों को दूर कर समाज में एकता और भाईचारा स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक एकता पर बल दिया और मानवतावादी मूल्यों की नींव रखी। उनके उपदेश समाज के कल्याण और उत्थान के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राज्यपाल सुश्री उइके का दौरा कार्यक्रम

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल सुश्री अनसुइया उइके कल 16 फरवरी को सड़क मार्ग द्वारा जिले के ग्राम मदकू द्वीप पहुंचेंगी और वहां आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में

शामिल होंगी। राज्यपाल सुश्री उइके 16 फरवरी को दोपहर 2.30 बजे राजभवन से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर शाम 4 बजे जिले के ग्राम मदकू द्वीप स्थित निरीक्षण कुटीर पहुंचेंगी। राज्यपाल सुश्री उइके शाम 4 बजे से 4.15 बजे तक मदकू द्वीप स्थित हरिहर क्षेत्र, शाम 4.15 से 4.18 तक मंदिर भ्रमण और शाम 4.18 से 4.28 तक योगशाला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राज्यपाल सुश्री उइके शाम 4.28 से 5.35 तक अन्य कार्यक्रमों के साथ वहां आयोजित गंगा आरती कार्यक्रम में भी शामिल होंगी। राज्यपाल सुश्री उइके शाम 5.50 बजे मदकूद्वीप से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर शाम 7.20 बजे राजभवन रायपुर पहुंचेंगी।

राज्य स्तरीय हाईपॉवर कमेटी की बैठक सम्पन्न, मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने दिए निर्देश

राष्ट्रीय राजमार्गों और भारत माला परियोजना के तहत बनने वाले सड़कों के कार्य में तेजी लाएं

रायपुर । मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण कार्य वाले सभी जिलों के प्रभावितों को मुआवजे का वितरण, लंबित भू-अर्जन की प्रक्रिया वृक्षों की कटाई, परिसम्पतियों का चिन्हांकन और उनके अवार्ड पारित करने की प्रक्रिया फरवरी माह के अंत तक पूरे कर लिए जाएं। श्री जैन ने राष्ट्रीय राजमार्गों और भारत माला परियोजना के तहत बनने वाले सड़कों के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि प्रभावितों को मुआवजे के वितरण के लिए 15-15 दिनों की कार्य योजना बनाकर मुआवजे का वितरण किया जाए। जिन निर्माण क्षेत्रों के सभी प्रक्रिया पूरे हो चुके हैं, उन क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने कहा गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में निर्मित हो रहे सड़क-पुल-पुलिया के लिए सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया है। भारत सरकार सड़क परिवहन एवं राज्य मार्ग मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित एवं प्रगतिरत कार्यों के भू-अर्जन, वन व्यपवर्तन एवं विद्युत/पाईप लाईन व्यवस्थापन हेतु

गठित हाई पॉवर कमेटी की बैठक का आयोजन मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित राज्य की स्वीकृत परियोजनाओं और प्रगतिरत कार्यों, संवेदनशील क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग और पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन के द्वारा निर्मित किए जा रहे सड़कों के प्रगति की समीक्षा की गई। वीडियो कान्फ्रेंसिंग में जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, वन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से बिलासपुर जिले के अंतर्गत कबीर चबुतरा-केवची-केंदा-रतनपुर मार्ग, बिलासपुर-जांजगीर-चांपा-कोरबा जिले से होकर गुजरने वाली बिलासपुर उरगा मार्ग, कोरबा जिले के पथरापाली-कटघोरा मार्ग, चांपा-कोरबा-छुरी-कटघोरा मार्ग, उरगा-पत्थलगांव मार्ग, रायगढ़ जिले के उरगा-पत्थलगांव मार्ग, गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के कबीर चबुतरा-केवची-केंदा-रतनपुर मार्ग, सरगुजा जिले के अम्बिकापुर पत्थलगांव मार्ग, अम्बिकापुर-रामानुजगंज-गढ़वा मार्ग, बलरामपुर जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 343 के उन्नयन, जशपुर जिले के पत्थलगांव-कुनकुरी-छत्तीसगढ़ झारखण्ड बार्डर, राजनांदगांव जिले के झलमला से शेरपार चौड़ीकरण का कार्य, दुर्ग-रायपुर बायपास भारत माला परियोजना, दुर्ग बायपास के अंत से महाराष्ट्र सीमा तक चौड़ीकरण कार्य, दुर्ग जिला के अंतर्गत दुर्ग-रायपुर बायपास भारत माला परियोजना, रायपुर जिले के अंतर्गत दुर्ग-रायपुर बायपास भारत माला परियोजना और रायपुर-विशाखापट्नम-भारतमाला परियोजना, धमतरी जिले के अंतर्गत रायपुर- विशाखापट्नम-भारतमाला परियोजना, गरियाबंद जिले के अंतर्गत मंदामुड़ा से खुटगांव (उड़िसा बार्डर) चौड़ीकरण का कार्य, बालोद जिले के अंतर्गत झलमला से शेरपार चौड़ीकरण, कोण्डागांव जिले के अंतर्गत रायपुर-विशाखापट्नम-भारतमाला परियोजना के तहत चल रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बस्तर संभाग के सातों जिलों में लोक निर्माण विभाग और पुलिस हाउसिंग कार्पोरेशन द्वारा निर्मित किए जा रहे सड़क-पुल-पुलियों के प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव वन श्री मनोज पिगुवा, सचिव लोक निर्माण श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सचिव राजस्व श्री एन.एन. एक्का, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल) श्री विवेकानंद सिन्हा, सचिव ऊर्जा श्री अंकित आनंद, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के क्षेत्रीय अधिकारी श्री ए.के.मिश्रा सहित लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

27 फरवरी को पल्स पोलियो अभियान

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले में 27 फरवरी 2022 को पल्स पोलियो कार्यक्रम संचालित किया जायेगा। इस हेतु कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 टी.आर. कुंवर नेतृत्व में बेहतर कार्ययोजना का निर्माण किया गया है। 27 फरवरी 2022 को पोलियो दवा पिलाने के लिए 0 से 05 वर्ष के 71451 बच्चो को लक्षित किया गया है। इसके लिये 63 पर्यवेक्षकों की डयुटी लगायी गयी है एवं जिले में 632 पोलियो बुथ बनाये गये हैं। इसके लिये 08 फरवरी को कलेक्ट्रेट में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (डीटीएफआई) की बैठक आयोजित की गयी थी। जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रेम प्रकाश शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास हेमराम राणा, जिला षिक्षा अधिकारी अशोक पटेल, पंचायत विभाग एवं जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभाग के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारीइ एवं कर्मचारियों से समन्वयक कर कार्य किये जाने हेतु निर्देष दिये। पल्स पोलियो कार्यक्रम के तहत 27 फरवरी को बुथ स्थल पर एवं 28 फरवरी तथा 01 मार्च को घर-घर जाकर (कुल 03 दिवसीय) 0 से 05 वर्ष के बच्चों को पोलियो दवा पिलाया जायेगा। इस हेतु जिला प्रषासन एवं जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा जिले के नागरिकों से यह अपील की है कि वे अपने 0 से 05 वर्ष तक के सभी बच्चों को अवष्य रूप से पोलियो दवा पिलायें और बच्चों को बाल लकवा बीमारी से बचाये।

मंत्री डॉ. डहरिया ने पलौद की क्रिकेट टीम को प्रदान किया पुरस्कार और ट्राफी

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज यहां रायपुर स्थित उनके आवास पर आरंग विकासखंड के ग्राम पलौद की क्रिकेट टीम को प्रदेश स्तर पर विजेता बनने पर ट्राफी और 33 हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर टीम के सदस्य मौजूद थे।

कलेक्टर ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

जगदलपुर। कलेक्टर श्री रजत बंसल ने जगदलपुर शहर में चल रहे विकास कार्य गोलबाजार व्यावसायिक परिसर, इतवारी बाजार में मल्टी लेवल पार्किंग स्थल और पुराने 36 क्वाटर स्थल के पुनः निर्माण कार्यो का निरीक्षण किए। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर सुरूचि सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रेम पटेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री दिनेश नाग, लोक निर्माण विभाग के श्री राजीव बतरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर बंसल ने गोल बाजार व्यावसायिक स्थल के विकास कार्य का निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गोलबाजार के व्यापारियों का

बैठक लेकर उनसे दुकान-जमीन संबंधी दस्तावेजी के कार्य, रजिस्ट्री दर तथा विधिक रूप से सभी अधिकार देने के संबंध में आवश्यक चर्चा कर लिया जाए ताकि व्यापारियों की किसी भी प्रकार की संशय की स्थिति का त्वरित निराकरण हो सके। इसके उपरांत कलेक्टर ने इतवारी बाजार में निर्माणाधीन मल्टी लेवल पार्किंग के कार्य का अवलोकन कर निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही पुराने 36 क्वाटर्स स्थल के पुनः निर्माण के कार्य योजना का हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों से चर्चा कर कार्ययोजना अनुसार आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश दिए।

ग्राम पंचायत जंवरगांव में छः जोड़ों का कराया गया विवाह

धमतरी। एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी (ग्रामीण) द्वारा 13 फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत छः जोड़ों का विवाह कराया गया। ग्राम पंचायत जंवरगांव में आयोजित इस वैवाहिक कार्यक्रम में धमतरी विकासखण्ड के ग्राम तेन्दुकोना, अरौद, बालोदगहन, पटौद, अंवरी और जंवरगांव के आदिवासी ध्रुव गोंड़ सामज के वर-वधु शामिल हुए। इस दौरान परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना धमतरी, ग्रामीण श्रीमती सरला मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की बारिकी से जानकारी उपस्थित लोगों को दी और इसका अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। गौरतलब है कि योजना के तहत शासन द्वारा प्रति जोड़ा 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। इसमें 14 हजार रूपए उपहार सामग्री, पांच हजार रूपए वर-वधु श्रृंगार सामग्री, पांच हजार रूपए वैवाहिक साज-सज्जा और एक हजार रूपए वधु को बैंक ड्रॉफ्ट के रूप में दिया जाता है।

घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड की धूम

रायपुर। घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार में छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। अमेजन एवं फ्लिपकार्ट जैसे प्रमुख ऑनलाईन व्यावसायिक प्लेटफॉर्म्स पर भी छत्तीसगढ़ हर्बल्स के उत्पाद विक्रय के लिए उपलब्ध हैं। अब छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय विभागों को हर्बल्स ब्रांड के उत्पादों की खरीदी करने पर 10 प्रतिशत की छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य शासन के सभी विभागों, शासकीय उपक्रमों और नगर निगमों को इस छूट का लाभ मिलेगा। इस निर्णय से राज्य में छत्तीसगढ़ हर्बल के उत्पादों की बिक्री में और अधिक वृद्धि होगी।

राज्य में वर्ष 2019-20 में एक करोड़ 25 लाख रुपए, वर्ष 2020-21 में 2 करोड़ 15 लाख, और वर्ष 2021-22 के

पहले 9 महीने में 4 करोड़ 34 लाख रुपए के मूल्य के उत्पादों की बिक्री राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हो चुकी है। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ऑनलाईन प्लेटफार्म, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, ग्रामीण ई-स्टोर के सीएससी नेटवर्क ने देश के अलग-अलग राज्यों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ हर्बल के लिए बाजार बनाने में मदद की है। छत्तीसगढ़ हर्बल्स के अनेक उत्पादों को पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान मिल रही है, इनमें अनाज, स्वदेशी मसाले, कुकीज़, पर्सनल केयर आइटम्स और वनोपजों में नवोन्मेष के साथ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ के माध्यम से 150 से भी अधिक उत्पादों की बिक्री हो रही हैं। जिसके लिए प्रदेश के सभी जिलों में 30 संजीवनी केंद्र की शुरुआत की गई है, जहां हर्बल ब्रांड के उत्पादों की बिक्री की जा रही है।

मनरेगा से तैयार कुआँ आजीविका का खुला नया रास्ता

घर में सब्जी की खेती से आय का नया जरिया मिला

रायपुर। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के पेंड्रा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनबचरवार निवासी 46 वर्षीया श्रीमती उमिन्द कुंवर की महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से बना कुआं आजीविका के लिए सहारा बन गई है, इससे घर में सब्जी की खेती से आय का नया जरिया भी मिल गया है। वहीं निस्तारी की समस्या भी हल हो गई है।

मनरेगा से ग्रामीण जन-जीवन को निरंतर मजबूती मिल रही है। इस योजना के तहत् कुआँ, डबरी, तालाब, पशु शेड, फलोद्यान सहित अन्य हितग्राही मूलक कार्यों से किसानों एवं पशुपालकों की आजीविका बेहतर हो रही है। योजना से ग्रामीणों, किसानों को उनके अपने निजी जमीन में स्वीकृत कार्यों में रोजगार भी मिल रहा है। मनरेगा से श्रीमती उमिन्द कुंवर घर की बाड़ी में कुआँ बनने के बाद अब उन्हें पहले की भाँति रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के

लिए पानी की व्यवस्था के लिए दूर तक भटकना नहीं पड़ता है। कुआँ बनने के बाद उनका जीवन सहज हो गया है। वे इस कुएँ से अपनी 50 डिसमिल की बाड़ी में विभिन्न तरह की साग-सब्जियों का उत्पादन भी ले रही हैं।

श्रीमती उमिन्द कुंवर ने बताया कि मनरेगा से खुद के नाम पर निर्मित परिसम्पत्ति से स्वयं को गौरान्वित महसूस कर रही है। उनके परिवार में उनके पति श्री कलवन कुंवर के अलावा दो बच्चे हैं। परिवार के पास जीवन-यापन के लिए लगभग 2 एकड़ की खेती है। राज्य सरकार से वन अधिकार पट्टा के अंतर्गत एक एकड़ की जमीन भी मिली है, जिसमें वे धान का उत्पादन करते हैं। इसके अलावा महात्मा गांधी नरेगा में खुलने वाले कामों के अलावा पति के साथ मजदूरी करने भी जाती है।

श्रीमती कुंवर ने बताया कि कुआँ निर्माण की स्वीकृति से उन्हें लगा कि अब उनके पास भी अपनी संपत्ति है। इससे उनका सम्मान, बढ़ा है। उन्होंने बताया कि कुआँ बनने के बाद पहली बार वे अपनी बाड़ी में सब्जी-भाजी का उत्पादन ले रही हैं, जिसमें लगभग 2 डिसमिल में लहसुन, 6 डिसमिल में टमाटर और 5 डिसमिल में आलू लगाया है। इसके अलावा वे कुएँ के पानी से बाड़ी में लाल भाजी, भांटा (बैगन) एवं मिर्च का भी उत्पादन कर रही हैं। वे बताती हैं कि अभी शुरुआती उत्पादन का उपयोग वे घर के लिए उपयोग में कर रही हैं। इसके बाद जैसे-जैसे बाड़ी से पर्याप्त मात्रा में साग-सब्जियाँ निकलेंगी, वे उसे स्थानीय बाजार में बेचेगीं।

सीईओ ने किया देवरी, खेढ़ा और धरमपुरा में आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु आयोजित शिविर का अवलोकन

मुंगेली। जिले में आयुष्मान भारत योजना और डॉ.खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत राशनकार्ड धारकों का आज 15 फरवरी से ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। कल 16 फरवरी को भी शिविर के माध्यम से राशनकार्ड धारकों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देश पर आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य कामन सर्विस सेंटर (सीएससी) के ग्राम स्तरीय उद्यमियों (व्हीएलई) द्वारा किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दशरथ सिंह राजपूत ने आज जिले के विकासखण्ड मुंगेली के ग्राम पंचायत देवरी,खेढ़ा और धरमपुरा का भ्रमण कर वहां आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आयोजित शिविर का अवलोकन किया। इस अवसर पर श्री राजपूत ने कहा कि जिला प्रशासन की यह एक अच्छी पहल है। जिला प्रशासन की इस पहल से आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को आयुष्मान कार्ड प्राप्त होगा और वे बीमार होने पर 5 लाख से 50 लाख तक की निःशुल्क ईलाज करा सकेंगे।

उन्होंने शिविर के माध्यम से प्रत्येक राशनकार्ड धारकों को आयुष्मान कार्ड बनवाने की सलाह दी। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री भूमिका देसाई भी मौजूद थी।

कृषि मास मीडिया समिति की बैठक 17 फरवरी को

मुंगेली। बिलासपुर संभाग में कृषि विभाग के संभागीय संयुक्त संचालक एवं कृषि मास मीडिया समिति के सचिव ने आज यहां बताया कि कृषि मास मीडिया समिति की बैठक 17 फरवरी को दोपहर 12 बजे गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाईन होगी। बैठक में माह मार्च 2022 में आकाशवाणी केंद्र बिलासपुर के माध्यम से किसानवाणी कायक्रम के अंतर्गत प्रसारण होने वाले विषय एवं वार्ताकार तय किये जाएंगे। उन्होंने संबंधितों को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित ऑनलाईन बैठक में शामिल होने का आग्रह किया है।

चीन पर कार्रवाई

भारत सरकार ने एक बार फिर चीन पर डिजिटल स्ट्राइक की है। भारत की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले 54 चीनी ऐप्स पर भारत सरकार प्रतिबंध लगाएगी। एएनआइ के अनुसार, इन 54 चीनी ऐप्स में ब्यूटी कैमरा- स्वीट सेल्फी एचडी, ब्यूटी कैमरा- सेल्फी कैमरा, ईक्वलाइजर एंड बेस बूस्टर, कैमकार्ड फॉर सेल्सफोर्स एंट, इसोलैंड 2- एशेज ऑफ टाइम लाइट, वीवा वीडियो एडिटर, टेनसेन्ट एक्सराइवर, ऐप लॉक और डुअल स्पेस लाइट शामिल हैं। दरअसल, इससे पहले पिछले साल जून में भारत ने देश की संप्रभुता और सुरक्षा के खतरे को ध्यान में रखते हुए व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे टिकटाक, वीचैट और हेलो सहित 59 चीनी मोबाइल एप्लिकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। 29 जून के आदेश में प्रतिबंधित अधिकांश ऐप्स को लेकर खुफिया एजेंसियों ने चिंता जाहिर करते हुए कहा था कि, उपयोगकर्ता डेटा एकत्र कर रहे हैं और संभवत- उन्हें बाहर भी भेज रहे हैं। चीन के एप्स पर पाबंदी के फैसले के बाद निरंकुश चीनी नेतृत्व और उसकी शरारती सेना अपनी हरकतों से बाज आएगी, इस बारे में कुछ कहना कठिन है। भारत इसके पहले भी चीन के सौ से अधिक एप्स को प्रतिबंधित कर चुका है। इसके बावजूद उसकी सेना लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर छेडछाड़ करने में लगी हुई है। चीनी सेना किस तरह बेलगाम होकर अपनी करनी पर आमादा है, इसका पता इससे चलता है कि बीते दिनों उसने उस वक्त सीमा रेखा का अतिक्रमण करने की कोशिश की, जिस समय दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत हो रही थी। स्पष्ट है कि चीन आसानी से मानने वाला नहीं है। उसे सख्त संदेश देने के लिए यह आवश्यक है कि आर्थिक मोर्चे पर उसके खिलाफ ऐसे बड़े फैसले लिए जाएं जो उसकी अर्थव्यवस्था को तगड़ा नुकसान पहुंचाएं। इसी के साथ सैन्य मोर्चे पर और अधिक चौकसी बरतनी होगी। यह चौकसी लद्दाख के साथ-साथ उन सभी इलाकों में बरती जाए, जहां चीन की सीमा लगती है। भारत को अपनी सैन्य तैयारियों के जरिये चीन को यह संदेश देने की जरूरत है कि अगर उसने सीमा पर यथास्थिति बदलने की कोशिश की तो उसे अनुमान से अधिक करारा जवाब मिलेगा। इसके लिए प्रत्येक स्तर पर सैन्य तैयारी तेज करनी होगी और इस क्रम में सेना की हर जरूरत को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना होगा। चूंकि चीन न केवल अहंकार के नशे में चूर है, बल्कि उसे अपने अंतरराष्ट्रीय मान-सम्मान की भी कहीं कोई चिंता नहीं, इसलिए भारत को दुनिया के प्रमुख राष्ट्रों को यह समझाना होगा कि वह केवल निंदा-भर्त्सना से सही राह पर आने वाला नहीं है। आखिर यह एक तथ्य है कि सभी प्रमुख देशों की ओर से उसके उद्दंड रवैये की निंदा की जा रही है, फिर भी उसकी सेहत पर कोई असर पड़ता नही दिख रहा है। चीनी एप्स पर यह स्ट्राइक हमारी सीमा में घुसी चीनी सेना को वापस लौटने पर कितना मजबूर करेगी, कहना मुश्किल है, लेकिन इससे चीन थोड़ा चिंतित जरूर हुआ है। उसने चेतावनी दी है कि राष्ट्रवादी तरीकों से चीन को झुकाया नहीं जा सकता। उसने अंतरराष्ट्रीय कानूनों की दुहाई भी दी है। समझने की बात यह भी है कि चीनी एप्स पर रोक से चीन को वास्तव में कितना नुकसान होगा, होगा भी या नहीं, खुद भारत पर इसका क्या असर होगा, और क्या यह चीन की सैनिक दबंगई के मुकाबिल हमारे पास लोकल व स्वदेशी का हथियार है? क्या हम इस हथियार से चीन को उसके महत्वाकांक्षी वन बेल्ट-वन रोड' परियोजना पर आगे बढने से रोक पाएंगे? क्या इस डिजिटल स्ट्राइक का सकारात्मक असर %डिजिटल राष्ट्रवाद के विस्तार में होगा?

संपादकीय

शीर्षक देने के लिए आप स्वतंत्र हैं

एक समय भ्रष्टाचार के बारे में यह आम धारणा बन चुकी थी कि अब राजनीतिक स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार को कोई रोक नहीं सकता। लेकिन अब धारणा बदली है। उत्तरप्रदेश में आज विपक्ष के पास यह कहने का नैतिक साहस दिखाई नहीं देता कि वह प्रदेश में गुंडागर्दी और अपराध को जड़ से समाप्त करेंगे, क्योंकि उन्होंने ऐसे कई लोगों को टिकट दिया है, जो इसी श्रेणी में आते हैं।

जो व्यक्ति अपने द्वारा की जाने वाली गलतियों से सबक नहीं लेता, वह एक न एक दिन सफलता की सीढ़ियों से चूक जाता है। वर्तमान में ऐसा लगने लगा है कि देश की राजनीति इसी दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। राजनीतिक दल कोई भी हो, सबके चिंतन में यही दिखाई देता है कि उनका स्वयं का राजनीतिक अस्तित्व कैसे बचा रह सके। इसके लिए राजनीतिक दल सही बात को भी गलत ठहराने के लिए चिंतन मनन करते दिखाई देते हैं। एक समय भ्रष्टाचार के बारे में यह आम धारणा बन चुकी थी कि अब राजनीतिक स्तर पर होने वाले भ्रष्टाचार को कोई रोक नहीं सकता। लेकिन अब धारणा बदली है। उत्तरप्रदेश में आज विपक्ष के पास यह कहने का नैतिक साहस दिखाई नहीं देता कि वह प्रदेश में गुंडागर्दी और अपराध को जड़ से समाप्त करेंगे, क्योंकि उन्होंने ऐसे कई लोगों को टिकट दिया है, जो इसी श्रेणी में आते हैं। ऐसे में वह किस मुंह से अपराध को समाप्त करने की बात कर सकते हैं। जबकि भाजपा की ओर से यह कहा ही नहीं जा रहा, बल्कि करके भी दिखाया है कि भाजपा अपराध को जड़ से समाप्त करने की दिशा में कार्य कर रही है। यही कारण है कि आज कोई भी भ्रष्ट अधिकारी उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री कार्यालय में कदम रखने का साहस नहीं कर सकता। ऐसी राजनीति देश के लिए बहुत जरूरी है।

सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के बारे में अध्ययन किया जाए तो स्वाभाविक तौर पर यही लगता है कि कांग्रेस जिन गलतियों के कारण अपने पराभव को प्राप्त हुई है, वह उसकी स्वयं की देन है, लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस को अपनी उन गलतियों का आभास ही नहीं है, जो उसने की हैं। कांग्रेस के नेताओं को आज भी यही लगता है कि केवल वही सही है, बाकी सब गलत। इस प्रकार का चिंतन हमेशा

आत्मघाती ही होता है, जिसका दंश कांग्रेस को भुगतना पड़ रहा है। आज कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि वह देश के कई राज्यों में स्वयं बल पर खड़ी भी नहीं हो सकती। उसे किसी न किसी सहारे की तलाश रहती है। उत्तरप्रदेश में पिछले विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाली कांग्रेस को इस बार किसी ने भी भाव नहीं दिया। इसके पीछे कारण यही है कि कांग्रेस के नेताओं की मानसिकता आज भी वैसी ही है, जैसी एक शासक की होती है। उसे लगता है कि सब उसके पीछे खड़े हों, लेकिन यह बड़ा सच है कि कांग्रेस की स्थिति अब वैसी नहीं रही कि सब उसके पीछे खड़े हो जाएं।

ऐसी मानसिकता के चलते किसी को भी अपनी कमजोरियों का भान नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस के बारे में राज्यसभा में जो कुछ भी व्यक्त किया है, वह प्रमाणित रूप से सच है, लेकिन सच को स्वीकार करने का नैतिक साहस कांग्रेस के पास नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अगर देश में कांग्रेस न होती तो कश्मीर से हिन्दुओं को पलायन नहीं करना पड़ता। यह सच भी है, क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के कारण ही जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी ताकतों को बल मिला, उनको सरकारी सुविधाएं दी गईं। इतना ही नहीं सेना को भी पर्याप्त अधिकार नहीं दिए गए, इसी कारण पाकिस्तान और चीन से लगने वाली सीमाएं बहुत हद तक असुरक्षा के घेरे में थी। जहां तक राजनीति में वंशवाद की बात है तो यह कांग्रेस को स्वीकार करने का साहस दिखाना ही चाहिए कि इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अब प्रियंका गांधी केवल विरासत के आधार पर ही नेता बनी हैं। इसके अलावा उनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। इस परिवार के अलावा जो भी नेता कांग्रेस की कमान संभालने की स्थिति में आया, उसको न तो पर्याप्त सम्मान दिया गया और न ही उनकी मृत्यु के बाद सम्मान दिया गया।

पहले की सरकारों के पर भ्रष्टाचार के आरोप लगना एक सामान्य सी बात हो गई थी, लेकिन अब मोदी सरकार के बारे में कोई भी राजनीतिक दल कम से कम भ्रष्टाचार के आरोप लगाने का साहस नहीं कर सकता। एक बार राहुल गांधी ने चौकीदार चोर है कहकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला किया था।

सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत रविदास

सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक संत शिरोमणि रविदासजी का जीवन संघर्षों और चुनौतियों की महागाथा है। जहां उन्हें जन्म से लेकर मृत्यु पर्यंत पग-पग पर प्रताड़ना, यातना, अपमान, तिरस्कार, उपेक्षा और हैय दृष्टि का व्यवहार अनुभूत हुआ। शूद्र होने के कारण विभिन्न प्रकार की सामाजिक आर्थिक और शैक्षणिक निर्योग्यताओं से संघर्ष करते हुए संत रविदास ने मानवीय गरिमा को सही अर्थों में समझा और अस्पृश्य समाज को समझाते हुए कहा कि तुम हिंदू जाति के अभिन्न अंग हो तुम्हें शोषित पीड़ित और दलित जीवन जीने की अपेक्षा मानवाधिकारों के लिए संघर्षरत रहना चाहिए। संत रविदास का जन्म भारत में जिस काल में हुआ उस समय समाज का स्वरूप अत्यंत विक्षुब्ध, अशांत और संघर्षमय था। आतताइयों के आक्रमणों के कारण समाज किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में था। छोटी-छोटी रियासतों में विभक्त भारतीय रियासतें मिथ्या दंभ और अभिमान में एक दूसरे से युद्ध कर रहीं थीं। जर्जर सामाजिक ढांचा रूढ़ियों, प्रथाओं, अंधविश्वासों, मिथ्या आचरणों, आडंबरों और पाखंडो से सराबोर था। छुआछूत और अस्पृश्यता के अवैज्ञानिक और औचित्यहीन अभिशाप का टीका समाज के माथे पर अदृश्य तथा अमिट स्याही से लगाया गया था। जहां आपसी विभेद, वर्ग भेद, जातिभेद, गैर बराबरी, सामाजिक अन्याय और अंत: संघर्ष की पराकाष्ठा समाज की सेहत को प्रदूषित कर रही थी।

हिंदू समाज के सवर्णों ने समाज के अन्त्यज वर्ग को मानव अधिकारों से वंचित किया। उन्हें पशु से भी बदतर स्थिति में रखा। ऐसी विषम स्थिति में प्रबुद्ध संत समाज द्वारा पुनर्जागरण का सजीव आंदोलन प्रारंभ हुआ। जिसमें संत रविदास का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। तथापि उनके समग्र आध्यात्मिक अवदान का अभी सही मूल्यांकन नहीं हो सका है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व बहुत विराट करिश्माई और चमत्कारी घटनाओं से परिपूर्ण था। उन्होंने तत्कालीन समाज की वेदना, पीड़ा और मर्म को समझा और उसके व्यावहारिक समाधान जन भाषा में प्रतिपादित किए। उनकी वाणी में लोक कल्याण का स्वर प्रमुखता से व्यक्त हुआ। वह उन संतों में नहीं थे जो गुफाओं में बैठकर केवल आत्म कल्याण के लिए स्वांत: सुखाय साधना करें। उनका दर्शन पलायनवादी नहीं था। उनकी दृष्टि में वही व्यक्ति साधु है जिसने सतरुपी

परम तत्व को अनुभूत कर अपने व्यक्तित्व से ऊपर उठकर उसके साथ तादात्म्य स्थापित कर लिया हो और जिनके कार्यों से लोक कल्याण की पवित्र धारा प्रवाहित होती हो। संत रविदास का चिंतन आत्मोन्नति सहित परमात्मा के मिलन को साध्य मानकर लोकमंगल की कामना करता है। ईश्वरोन्मुख तो कोई भी व्यक्ति हो सकता है किंतु उसके जीवन में कर्मकांड रहित निर्मल प्रेम और भक्ति का ईश्वर की सहज अनुभूति का दिव्य स्वरूप होना चाहिए।

दीनता और विनम्रता की साक्षात प्रतिमूर्ति संत रविदासजी की आध्यात्मिक चेतना सबका मंगल, सदा मंगल और मंगल ही मंगल का उद्घघोष करती है जो मनुष्य को जन्म से नहीं वरन सत्कर्म और आध्यात्मिक उपलब्धियों से बड़ा मानती है। उनकी उदार मानवीय दृष्टि दैवी संपदा से युक्त स्फटिक की भांति प्रांजल और वास्तविक अर्थ में चिरप्रणम्य है।

संत रविदास ने धर्म अथवा साधना की कोई शास्त्रीय व्याख्या प्रस्तुत नहीं की किंतु सामाजिक व्यवस्था को विकृत करने वाले छुआछूत, ऊंच-नीच, भेदभाव, अन्याय, शोषण और अनाचार का प्रबल विरोध करते हुए धर्म के नाम पर की जाने वाली हिंसा, मिथ्याआडंबरों, अंधविश्वासों, मूल्यहीन परंपराओं की कटु आलोचना की। यद्यपि उनकी आलोचना में किसी प्रकार की वक्रता, उलझन, अटपटापन, कर्मकांड और ज्ञान के दिखावे का दंभ नहीं है और ना ही वर्ण तथा जाति भेद का बंधन है। रविदासजी ने समाज की प्रगति और समरसता को अवरुद्ध करने वाली अस्पृश्यता की विकृति जिसका कोई शास्त्रीय आधार नहीं है, विनम्रता पूर्वक विरोध कर समतावादी समाज की स्थापना पर बल दिया जहां किसी प्रकार की छुआछूत, जातीय भेदभाव, गैर बराबरी और सांप्रदायिक विद्वेष की भावना नहीं हो। संत रविदास ने तत्कालीन सामाजिक समस्याओं का व्यावहारिक समाधान उन्मुक्त भाव से व्यक्त करते हुए किसी संप्रदाय का विरोध नहीं किया। वरन उनकी अंतरात्मा को जागृत कर पारस्परिक सद्भाव और बंधुता का संदेश दिया। कृस्न, करीम, राम, हरि, राघव, जब लग एक न पेखा। वेद कतेब कुरान, पुरानन, सहज एक नहिं देखा।।

संत रविदास का जन्म वाराणसी में संवत 1456 को एक निर्धन चर्मकार परिवार में हुआ था। पिता रघु जी जूते गांठने का काम करते थे। रविदासजी बचपन से ही आध्यात्मिक और उदार प्रवृत्ति के थे। उनका कहना था कि सच्ची साधना मनोनिग्रह है। इंद्रियों का दास बने रहने पर भौतिक संपदा पतन का कारण बनती है।

परोपकार की निर्मल भावनाओं के पक्षधर रविदासजी कहते थे कि सामर्थ्य वाले लोगों को अपनी संपदा में दूसरे अभावग्रस्तों को भी भागीदार बनाना चाहिए अन्यथा संग्रह किया हुआ अनावश्यक धन विपत्ति का रूप धारण कर लेता है। वे प्रतिदिन अपने हाथ से बनाए एक जोड़े जूते जरूरतमंदों को बिना किसी भेदभाव के दान किया करते थे। लेकिन पिता को यह उदारता पसंद नहीं थी। उन्हें घर से पृथक कर दिया किंतु रविदासजी को इस बात का कोई मलाल नहीं रहा और मनोयोग पूर्वक बढ़िया जूते बनाने के काम को ही पूजा मानकर निरंतर करते रहे। संत रविदास की साधना और अन्यन भक्ति भावना की श्रेष्ठता के कारण काशी राज् दंपत्ति तथा चित्तौड़ की झाली रानी और भक्त मीराबाई ने स्वप्रेरणा से बिना किसी दबाव के उन्हें अपना गुरु बनाने का सौभाग्य प्राप्त किया जो तत्कालीन समाज में संत रविदास की एक असाधारण, अपूर्व और अत्यंत अविरल उपलब्धि थी जिसके कारण वह लोक नायक के रूप में समाज में श्रद्धा और आस्था के प्रतीक बन गए थे।

राजनीति में हो रही है दलबदुओ की बल्ले बल्ले!

विधानसभा चुनाव 14 फरवरी को उत्तराखंड में होने है ,लेकिन यहां अभी तक भी दलबदल का खेल जारी है।कांग्रेस नेत्री बृजरानी ने टिकट न मिलने पर कांग्रेस को अलविदा कह दिया तो भाजपा के भी कई बड़े नेता कांग्रेसी बन गए। नामांकन की आखिरी तारीख से पहले भाजपा को किशोर उपाध्याय के रुप में एक बड़ा चेहरा मिल गया है। किशोर उपाध्याय के भाजपा ज्वाइन करते ही टिहरी के विधायक धन सिंह नेगी ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। धन सिंह नेगी ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से मिलकर कांग्रेस की सदस्यता ली और कांग्रेस का टिहरी से टिकट भी प्राप्त कर लिया।टिहरी के इन दोनों नेताओं के दलबदल के बाद साफ हो गया है कि टिहरी में किशोर उपाध्याय और धन सिंह नेगी के बीच फिर से मुकाबला होगा। करीब 40 वर्षों तक कांग्रेस के साथ रहे किशोर उपाध्याय अचानक ही भाजपा में शामिल नहीं हुए। किशोर उपाध्याय सन 2017 के विधानसभा चुनाव से ही कांग्रेस पार्टी में खुद को असहज महसूस कर रहे थे, किशोर उपाध्याय ने बतौर कांग्रेस अध्यक्ष कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया था। किसी समय हरीश रावत के सबसे करीबी रहे किशोर उपाध्याय सन 2017 के चुनाव के बाद से हरीश रावत से दूर हो गए थे। किशोर उपाध्याय ने वनाधिकार आंदोलन के तहत प्रदेश के जल, जंगल, जमीन के लिए लड़ाई लड़नी शुरू की। इसके लिए उन्होंने पार्टी फोरम से बाहर आकर भी दूसरे दलों के नेताओं से संवाद स्थापित किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से भी मिलकर उनसे वनाधिकार को लेकर समर्थन मांगा। इसके बाद वे भाजपा के नेताओं के संपर्क में आए। करीब एक माह से चल रहा लुकाछुपी का खेल आखिर खत्म हो गया और किशोर उपाध्याय ने भाजपा की सदस्यता ले ली। किशोर उपाध्याय के भाजपा ज्वाइन करने से कुछ घंटे पहले ही कांग्रेस ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया।1 जून 1958 को ग्राम पाली, जाखणीधार, टिहरी गढ़वाल में जन्में किशोर उपाध्याय ने स्नातकोत्तर और पीएचडी की पढ़ाई की है। किशोर उत्तराखंड आंदोलन के समय

से ही सक्रिय राजनीति में अहम भूमिका निभा चुके हैं, वे उत्तराखंड संघर्ष समिति के पदाधिकारियों में शामिल रहे। किशोर उपाध्याय गांधी परिवार के सबसे निकटतम नेताओं में शुमार रहे हैं। उत्तराखंड बनने के बाद 2002 में पहली बार टिहरी सीट से विधायक चुने गए और एनडी तिवारी सरकार में औद्योगिक राज्य मंत्री बने। इसके बाद 2007 में वे लगातार दूसरी बार टिहरी से विधायक चुने गए। लेकिन 2012 के विधानसभा चुनाव में टिहरी सीट पर निर्दलीय दिनेश धनै से 377 मामूली मतों से चुनाव हार गए। इसके बाद 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने उन्हें देहरादून जिले की सहसपुर सीट से चुनाव लड़ाया गया, लेकिन वे भाजपा के सहदेव पुंडीर से हार गए। इस हार पर किशोर ने कहा कि उनके खिलाफ षडयंत्र रचा गया। तब से वे कांग्रेस पार्टी में हाशिए पर चले गए। सन 2014 से सन 2017 तक किशोर उपाध्याय कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे। प्रदेश अध्यक्ष रहते किशोर हरीश रावत और प्रीतम सिंह के भी काफी करीबी माने जाते थे। लेकिन दिनेश धनै के कैबिनेट मंत्री बनने के बाद से ही वे पार्टी से नाराज होते गए। इसके बाद सहसपुर से चुनाव हारना उनकी नाराजगी का सबसे बड़ा कारण रहा। किशोर का टिहरी और उत्तरकाशी जिले की सीटों पर अच्छा खासा प्रभाव रहा है। ऐसे में किशोर भाजपा के लिए बड़ा ब्राह्मण चेहरा साबित हो सकते हैं। साथ ही किशोर उपाध्याय टिहरी सीट से भाजपा के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।दूसरी ओर भाजपा से निष्कासित डॉ हरक सिंह रावत कहते है कि कोरोना का यमराज अगर कहे कि बीजेपी से बात कर लो..तो कहूंगा मौत दे दो।इन्ही हरक सिंह रावत ने पांच साल पहले कांग्रेस की सरकार गिराकर कमल का दामन थामा था। हरक सिंह रावत के आंसुओं से बीजेपी का दिल तो नहीं पसीजा लेकिन कांग्रेस ने जरूर उन्हें गले लगा लिया है। उत्तराखंड मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने के बाद हरक सिंह रावत कैमरे पर फफक-फफक कर रो पड़े थे, हरक को बीजेपी ने पार्टी से निकाल कर 6 साल के लिए बर्खास्त कर दिया। वे अपने परिवार और अन्य लोगों के लिए पार्टी पर टिकट का दवाब बना रहे थे।दल बदल रोकने को देश में कई बार कानून बने व कई बार कानून बदले गए, लेकिन दल बदलने वाले कभी नहीं रुके। दल बदलने के कारण कई होते हैं जिनमें सबसे ज्यादा दल बदलुओं का कारण परिवार वाद होता है। भाई, भतीजा, बेटा, बहू, पत्नी को टिकट ना मिले तो परिवार के लिए पार्टी, पार्टी के विचार, सबको खतरे में डाल दिया जाता है।उत्तराखंड में बीजेपी के मंत्री हरक सिंह रावत, उत्तर प्रदेश में बीजेपी के मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य, उत्तर प्रदेश में ही बीजेपी संगठन के उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह, पंजाब में मुख्यमंत्री चन्नी के भाई मनोहर सिंह, ये वो चेहरे हैं जो चुनाव आने पर घरवालों के टिकट में ऐसे उलझे कि या तो घर जैसी पार्टियां छोड़ दीं या घर के भीतर कलह मच गई।जिस हरक सिंह रावत के कांग्रेस में रहते हुए छह साल पहले हिल जाने से हरीश रावत की सरकार हिल गई थी वही हरक सिंह रावत अब बीजेपी में मंत्री रहते हुए हिल गए ।

"बेटा, तू डरे मत, मैं हूँ"

मौत के मुंह में फंसे लोगों की जान बचाने के किस्से अक्सर सुनने में आते रहते हैं। कुएं में गिरे हुए बच्चों को बाहर निकाल लाने, धंसे हुए मकानों में से लोगों को बाहर खींच लाने, डूबते हुए बच्चों को बचा लाने आदि की खबरें हम पढ़ते ही रहते हैं। हमारे देश में ऐसे बहादुर लोगों की कोई कमी नहीं है लेकिन भोपाल का यह किस्सा तो रोंगटे खड़े कर देनेवाला है। पुराने भोपाल में रेल की पटरियां कुछ ऐसी बनी हुई हैं कि उन्हें पैदल पार किए बिना आप एक तरफ से दूसरी तरफ जा ही नहीं सकते। न तो वहां कोई भूमिगत रास्ते हैं और न ही पटरियों के ऊपर पुल बने हुए हैं। ऐसी ही पटरी पार करके स्नेहा गौड़ नामक एक 24 साल की लड़की दूसरी तरफ जाने की कोशिश कर रही थी। उस समय पटरी पर 24 डिब्बोंवाली मालगाड़ी खड़ी हुई थी। जैसे ही स्नेहा ने दो डिब्बों के बीच की खाली जगह में पांव धरे, मालगाड़ी अचानक चल पड़ी। वह वहीं गिर गई। उसे गिरता हुआ देखकर एक 37 वर्षीय अनजान आदमी भी कूदकर उस पटरी पर लेट गया। उसका नाम है- मोहम्मद महबूब! महबूब ने उस लड़की का सिर अपने हाथ से दबाए रखा ताकि वह उठने की कोशिश न करे। यदि उसका सिर जरा भी ऊंचा हो जाता तो रेल के डिब्बे से वह पिस जाता। स्नेहा का भाई पटरी के दूसरी तरफ खड़ा-खड़ा चिल्ला रहा था। उसके होश उड़े हुए थे। उसे स्नेहा शांत करना चाहती थी लेकिन वह खुद गड़बड़ न कर बैठे, इसलिए महबूब बार-बार उसे कह रहा था- ''बेटा, तू डरे मत, मैं हूँ।'' रेल निकल गई और दोनों बच गए। जब स्नेहा और उसके भाई ने यह किस्सा घर जाकर अपनी मां को बताया तो वह इसे कोई मनगढ़त कहानी समझने लगी। स्नेहा के भाई ने अपनी मां को वह फोटो दिखाया, जो उसने अपने मोबाइल से खींचा था। उस फोटो में स्नेहा के सिर को अपने हाथ से दबाते हुए महबूब दिखाई पड़ रहा है। मोहम्मद महबूब ने अपनी जान पर खेलकर एक बेटी की जान बचाई।

बनाए रखें रिश्ते की अहमियत

हम अपनी जिंदगी में कई लोगों से मिलते हैं। उनसे मुलाकात होती है, बात होती है लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा व्यक्ति हमारी जिंदगी में आता है जिसके साथ हम अपनी पूरी जिंदगी बिताना चाहते हो और यह मुलाकात एक खूबसूरत व सच्चे रिश्ते में तब्दील हो जाती है। लेकिन इस रिश्ते को निभाना इस रिश्ते में आने से ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि हम अक्सर देखते हैं कि छोटी-छोटी बातें कुछ ऐसा प्रभाव डालती हैं कि जिससे उन रिश्तों की मजबूती कमजोर पड़ने लगती है और बातें कम तथा एक-दूसरे के साथ सिर्फ अनबन शुरू हो जाती है। अगर आप भी अपने रिश्तों में इन बातों को महसूस कर रहे हैं तो एक बार इस लेख को पढ़ लीजिए जिससे कि आप समझ पाएंगे अपने रिश्ते की अहमियत को।

एक सच्चा साथी बड़ी मुश्किल से मिलता है। यदि आपके पास वो साथी है, जो आपके लिए ईमानदार है तो इस बात की कद्र कीजिए। जी हां, किसी भी रिश्ते में ईमानदारी होना बहुत जरूरी है। एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहें। अगर आपका पार्टनर आपको किसी चीज के लिए मना कर रहा है जिससे कि उसे तकलीफ हो रही है तो उसकी बातों को महत्ता दें। साथ ही यदि आपका पार्टनर किसी बात को गलत तरीके से ले रहा है तो उस बात पर गुस्सा होने की जगह आप उसे प्यार से समझाएं, क्योंकि गुस्से में आप अपनी बात उसे नहीं समझा पाएंगे और बातें सिर्फ बिगड़ेंगी। इसलिए शांति के साथ बातों को सुनें और अपनी बात भी रखें।

एक-दूसरे से करें बात

चाहें आप कितने भी व्यस्त क्यों न हों लेकिन अपने साथी के लिए समय जरूर निकालें, क्योंकि आपसी संचार आपके रिश्ते को मजबूती देता है इसलिए समय-समय पर इस बात का अहसास कराएं कि आप उनके बारे में व्यस्त होने के बाद भी सोचते हैं। किसी भी रिश्ते में वफादारी बहुत जरूरी होती है। यदि आप चाहते हैं कि आपका पार्टनर आपके लिए वफादार रहे तो आपको भी वफादार रहना चाहिए।

एक-दूसरे को दें पूरी आजादी

यदि आपकी भी आदत रोकने-टोकने की है तो इसे बंद करना ही सही है, क्योंकि किसी भी मजबूत रिश्ते के लिए एक-दूसरे को आजाद रखना ज्यादा जरूरी है। उनकी खुशी जिसमें है, उन्हें उसके लिए न रोके।

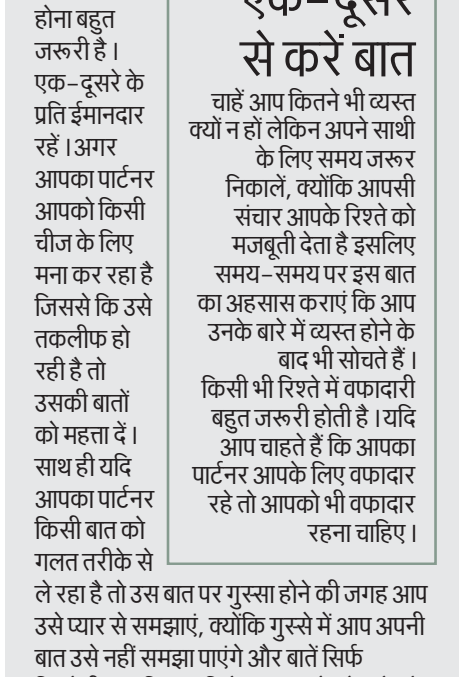

गर्म कपड़ों को फफूंद लगने से बचाएंगे ये टिप्स

अक्सर देखा जाता है कि सर्दियों में पहने वाले कपड़े लकड़ी की अलमारी में रखने से उनमें बदबू आने लगती है। कई बार कपड़ों से बदबू आने के साथ-साथ उनपर सफेद दाग भी पड़ जाते है, जिन्हें फफूंद कहा जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जिनसे आप गर्म कपड़ों को फफूंद लगने से बचा सकते हैं।

प्लास्टिक बैग का करे इस्तेमाल

फफूंद से बचाने के लिए पसंदीदा कपड़ों को प्लास्टिक के बैग में रख दें। इससे कपड़ें लकड़ी के साथ-साथ मैटल की अलमारी में भी खराब नहीं होंगे।

नमी से बचाए

फफूंद सीलन, नमी और गर्म वातावरण में सबसे ज्यादा होती है इसलिए अलमारी को हफ्ते में 1 बार जरूर साफ करें। साथ ही जब भी समय मिले तब अलमारी को खोल दें, ताकी उन में सीलन या गर्मी पैदा ना हो।

ऊनी कपड़ों की देखभाल

गर्म कपड़ों को कभी भी नमी वाले स्थान पर न रखें। उन्हें ऐसी जगह पर रखें, जहां हवा आती हो। इससे उन में बदबू नहीं आएगी और वह फूफंद लगने से भी बचे रहेंगे।

धूप में रखें

उमस के कारण भी कपड़ों में फंगस लग जाती है। ऐसे में हफ्ते में 1 बार कपड़ों को धूप लगवाएं। साथ ही अलमारी को हल्का-सा पानी छिड़ककर साफ करें। इससे कपड़े नए के नए रहेंगे।

अखबार में लपेटकर रखें

जैकेट के फर में फफूंद ज्यादा जल्दी फैलती है इसलिए अगर आपके पास फर वाली जैकेट या स्वेटर हैं तो इन्हें अखबार में लपेटकर रखें। इसके अलावा उन्हें हफ्ते में एक बार धूप में जरूर सुखाएं।

नेफथलीन बॉल का इस्तेमाल

अगर कपड़ों से बदबू आ रही है तो उसे धूप में सुखाएं। इससे बदबू चली जाएगी। फिर कपूर के पानी से अलमारी की दराज को अच्छी तरह साफ करके सूखाएं। आप बदबू को रोकने के लिए नेप्थलीन की गोलियां भी रख सकते हैं। इसके अलावा फैब्रिक फ्रेशनर या लैवेंडर से भी कपड़ो को फंगस से बचाया जा सकता है और इससे उनमें बदबू नहीं आती।

तनाव आजकल आम परेशानी बनता जा रहा है। पारिवारिक माहौल या फिर पढ़ाई के बढ़ते बोझ के कारण छोटे-छोटे बच्चे भी चिंता, तनाव, दवाब या अवसाद का शिकार हो रहे हैं लेकिन पेरेंट्स को आसानी से इस बात का पता नहीं चल पाता कि उनका बच्चा स्ट्रेस में हैं। बच्चा अगर तनाव या स्ट्रेस में हो तो उनके व्यवहार के साथ-साथ शारीरिक और भावनात्मक बदलाव भी नजर आने लगते हैं, जिन्हें समझना बेहद जरूरी है, ताकि उसे स्ट्रेस से बाहर निकाला जा सके।

तनाव की निशानी हैं बच्चे के व्यवहार में आए ये बदलाव

बच्चों में तनाव के कारण

मां-बाप का व्यस्त होना -कामकाजी होने के कारण आजकल मां-बाप बच्चों की तरफ ध्यान नहीं दे पाते। जिससे बच्चा तनाव में आ जाता है। जब भी समय मिले अपने बच्चे के लिए समय जरूर निकालें। उसे डिनर,पिकनिक या फिल्म देखने ले जाएं।

पढ़ाई का तनाव - आजकल कंपीटिशन का जमाना है। पढ़ाई के बढ़ते तनाव, होमवर्क पूरा न हो पाना,माक्स कम आना या फिर मेहनत करने के बावजूद भी दूसरे बच्चों से पीछे रहना आदि बच्चे में तनाव के कारण हो सकते हैं। ऐसे में डांटने की जगह आपको बच्चे का साथ देना चाहिए।

खेलों में दूरी बनाना - पढ़ाई या फिर भविष्य को लेकर बच्चे इतने व्यस्त रहते हैं। खाना-पीना तो दूर उनके पास खेलने का समय भी नहीं होता। मोबाइल, कंप्यूटर की बजाय बच्चे को आउट डोर गेम्स खेलने के लिए बाहर ले जाएं। इससे आप बच्चे के साथ समय भी बिता पाएंगे और वह खेल-खेल में अपने मन की बात भी शेयर करने लगेगा।

बच्चों में तनाव के लक्षण

व्यवहार में आता है बदलाव

अगर बच्चा तनाव में है तो सबसे पहला असर उसके व्यवहार में नजर आएगा। स्ट्रेस होने पर बच्चों में बात पर उसका मूड खराब हो जाना या चिढ़ जाना, कभी अचानक से गमसुम होना, बिना बात घंटो रोना और उदास रहना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसे में अगर आपको बच्चे में ये बदलाव दिखाई दें तो उसे अनदेखा ना करें।

बिस्तर गीला करना

छोटे बच्चे अक्सर नींद में बिस्तर गीला कर देते हैं लेकिन 3-4 साल की उम्र में वह इस पर काबू पा लेते हैं। बढ़ती उम्र में इसका कारण भावनात्मक भी हो सकता है। पेरेंट्स की अटैंशन न मिलने के कारण भी बच्चा तनाव महसूस करता है और नींद में अक्सर बिस्तर गीला कर देता है।

पसंदीदा चीजों से हो जाते हैं दूर

यदि आपका बच्चा अपने पसंदीदा खिलौने, फेवरेट कॉर्टून्स, पसंदीदा डिश से दूर बना लेता है तो वह किसी न किसी तरह के स्ट्रेस में हो सकता है।

स्कूल से बच्चे की शिकायत आना

कभी-कभार स्कूल से बच्चे की शिकायत आना बेहद नॉर्मल बात है क्योंकि बच्चे स्कूल में मस्ती करते रहते हैं लेकिन अचानक ज्यादा शिकायतें आने लगे तो समझ लें कुछ गड़बड़ है।

नाखून चबाना

बच्चे जब जरूरत से ज्यादा सोचते हैं या परेशान होते हैं तो अनजाने में अपने नाखून चबाने लगते हैं। खाने व सोने की आदतों में बदलाव बच्चा तनाव महसूस करता है तो उसकी खाने व सोने की आदतें बदल जाती हैं। कई बार तनावग्रस्त बच्चे बहुत ज्यादा खाने या सोने लगते हैं जबकि कई बार वह इसका उल्टा करते हैं।

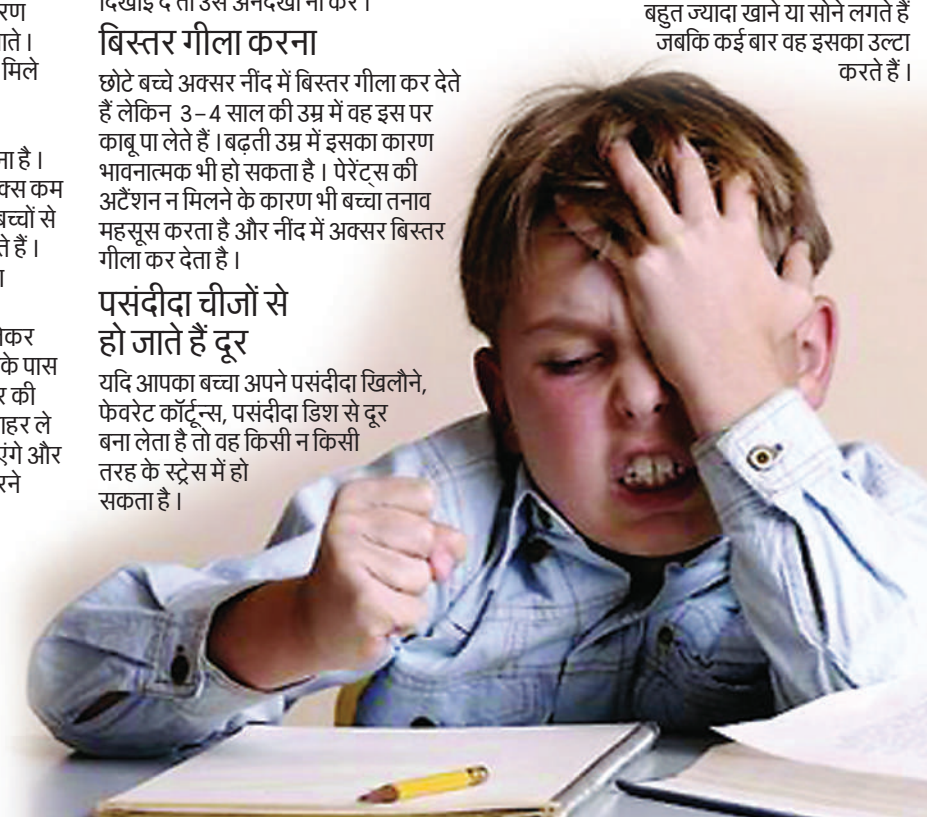

बेहद खूबसूरत होता है प्यार का रिश्ता

प्यार का रिश्ता बेहद खूबसूरत होता है और इसका एहसास भी उतना ही शानदार होता है। लेकिन इन रिश्तों में हम कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो इसे मजबूत करने की जगह इसे कमजोर कर देती हैं और हमारा पार्टनर हमारे करीब आने की जगह हमसे दूर जाना बेहतर समझता है। आखिर वे क्या गलतियां हैं, जो नए-नए रिश्तों को मजबूत करने की जगह इसे खोखला कर देती हैं, आइए जानते हैं-

ओवर पसेसिव होने से बचें

यदि आप रिश्ते में आते ही ओवर पसेसिव हो रही हैं तो अभी संभल जाए, क्योंकि यह बात आपके पार्टनर को आपसे दूर कर सकती है। 'यहां मत जाओ', 'ऐसा मत करो', 'इनके साथ मत घूमो', 'सिर्फ मुझको ही टाइम दो', ऐसी बातें आपके पार्टनर को इरिटेड कर सकती हैं। आपका पार्टनर आप में एक अच्छा दोस्त और एक अच्छा पार्टनर देखना चाहता है, न कि टीचर। इसलिए ऐसी बातों से आप दूर ही रहें। यही आपके रिश्ते के लिए सही है।

दोस्तों की न करें बुराई

यदि आप अपने पार्टनर के दोस्तों की बुराई करते हैं तो इसे अभी रोक दीजिए। ऐसा करने से आपके पार्टनर को आपके लिए गलतफहमी हो सकती है कि आप उनके दोस्तों से उन्हें दूर करना चाहती हैं, इसलिए इन बातों को न ही करें तो बेहतर है। अगर आप भी अपने पार्टनर को किसी दूसरे के साथ कम्पेयर करती हैं या करते हैं, तो इसे बिलकुल भी न करें। ऐसा करके आप अपने पार्टनर को दुख पहुंचा रहे हैं। उनकी दूसरों से तुलना करके उन्हे नेगेटिव कर रहे हैं। आपको अपने पार्टनर को नेगेटिव नहीं, पॉजीटिव रखना है। और ध्यान रखें कि हर व्यक्ति अपने आप में बेहतरीन होता है।

छोटी-छोटी बातों पर बातों को न बढ़ाएं

यह बात आपके शुरुआती रिश्ते को कमजोर कर सकती है। हमेशा उन्हें समझने की कोशिश करें और यदि वह गलत है तो इसे समझदारी के साथ समझाएं।

गलतफहमियां लाती हैं रिश्तों में दरार

गलतफहमियां अच्छे-अच्छे रिश्तों को खत्म कर देती हैं। अगर गलतफहमियों को समय रहते ठीक न किया जाए तो कई रिश्ते इनके कारण टूट भी जाते हैं। जीवन में सच्चे व पवित्र रिश्ते बहुत मुश्किल से मिलते हैं, फिर वो चाहे मित्रता हो, जीवनसाथी हो या आपके परिवार के रिश्ते। हर रिश्ते का अपना महत्व होता है और इन्हें पूरी ईमानदारी के साथ निभाना हमारा कर्तव्य। अगर आपके रिश्ते भी गलतफहमी का शिकार हो रहे हैं तो इन्हें समय रहते संभाल लें ताकि आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहे और कड़वाहट की इसमें कोई जगह न हो। ईगो अच्छे-अच्छों रिश्तों को बिगाड़ देता है। एक बेहतर रिश्ते को बनाए रखने के लिए ईगो को खुद से बहुत दूर रखें। मैं ही पहले क्यों बात करूं, मैं ही क्यों हमेशा रिश्ते के लिए सोचूं? इस तरह की बातों को अपने अंदर से निकालना ही एक मजबूत रिश्ते को बनाए रखने के लिए जरूरी है। हमेशा रिश्तों में 'मैं' नहीं 'हम' होना महत्व रखता है। इसलिए हमेशा कौन पहले पहल कर रहा है, यह मायने नहीं रखता। मायने रखता है तो सिर्फ रिश्ता। त्याग की भावना हमेशा आपको एक-दूसरे के करीब लेकर आएगी। अगर आप खुद से पहले अपने पार्टनर के बारे में सोचेंगे यानी खुद की खुशी से पहले अपने साथी की खुशी आपके लिए जरूरी होगी, तो आपके रिश्ते और भी ज्यादा खूबसूरत होंगे और ऐसे मजबूत रिश्तों में गलतफहमियों कि जगह होती ही नहीं है। अगर किसी बात को लेकर आप दोनों के बीच में सहमति नहीं बन पा रही है, तो एक-दूसरे को समय दें। अपने पार्टनर की बात सुनें और अपनी बात भी पूरे प्रेम के साथ समझाएं। जो बात आपस में मिलकर हो सकती है, वो बिना बात किए या चुप रहे नहीं हो सकती। इसलिए एक-दूसरे से उस विषय पर बात जरूर करें, क्योंकि चुप्पी साधकर बैठने से सिर्फ गलतफहमियां ही रिश्तो में जगह बना पाती है।

चारा घोटाले के 5वें केस में भी लालू यादव दोषी

डोरंडा ट्रेजरी घोटाले में हिरासत में लिए गए आरजेडी सुप्रीमो, सजा का ऐलान 21 फरवरी को

नई दिल्ली

950 करोड़ रुपए के देश के बहुचर्चित चारा घोटाले के सबसे बड़े (डोरंडा ट्रेजरी से 139.35 करोड़ रुपए के गबन) केस में मंगलवार को फैसला आ गया। रांची की विशेष अदालत ने आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव सहित 75 आरोपियों को दोषी करार दिया है। वहीं, 24 लोगों को बरी कर दिया। सजा का ऐलान 21 फरवरी को होगा। आरजेडी सुप्रीमो को कोर्ट की ओर से दोषी करार देते ही पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके बाद उनके वकील ने जेल न भेजकर रिम्स में भेजने के लिए आवेदन दिया है। इस पर कोर्ट दोपहर दो बजे के बाद सुनवाई करेगा। जैसे ही आरजेडी सुप्रीमो के दोषी करार देने की सूचना बाहर आई पटना से लेकर रांची तक उनके समर्थकों में मायूसी छा गई। कोर्ट परिसर आरजेडी नेताओं से पटा है। पुलिस का पहरा सख्त कर दिया गया है। बताया जा रहा है मंगलवार को कोर्ट ने 3 साल से कम वालों को सजा सुनाया है। लालू सहित 10 लोगों की सजा अलग से सुनाई जाएगी। ऐसे में यह माना जा रहा है लालू को 3 साल से अधिक की सजा हो सकती है। हाईकोर्ट के सीनियर वकील राजनीति प्रसाद ने बताया, लालू यादव के क्रेश्चन ऑफ सेंटेंस पर 21 फरवरी को फैसला होगा। मेडिकल टर्म पर उन्हें रिम्स शिफ्ट करने की बात हो रही है।

बता दें, इससे पहले चारा घोटाले के 4 मामले (देवघर के एक, दुमका ट्रेजरी के दो अलग-अलग और चाईबासा ट्रेजरी से संबंधित दो मामलों में) लालू दोषी करार दिए जा चुके हैं। अभी पहले के सभी मामलों में जमानत पर बाहर थे, लेकिन मंगलवार को कोर्ट के आए फैसले से उन्हें एक बार फिर जेल जाना होगा। 29 जनवरी को CBI के विशेष न्यायाधीश एसके शशि की अदालत ने बहस पूरी होने के बाद 15 फरवरी को फैसले की तारीख निर्धारित की थी। सभी आरोपियों को कोर्ट में स्वयं हाजिर होने का आदेश दिया था। सुनवाई में उपस्थित रहने के लिए लालू 2 दिन पहले 13 फरवरी को ही रांची पहुंच गए थे। कोर्ट में सुनवाई से पहले लालू के वकील प्रभात कुमार ने कहा था, अभियुक्तों की उम्र 75 वर्ष से अधिक है। लालू यादव जेल जाने की स्थिति में नहीं हैं। ऐसे में कोर्ट से राहत की उम्मीद है। पहले वाले केस में स्थितियां अलग थीं, आज अलग हैं। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के बाहर सन्नाटा पसरा हुआ है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी के आवास में हैं। लालू प्रसाद यादव की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी पटना में ही हैं। लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती रांची में अपने पति के साथ हैं।

डोरंडा ट्रेजरी से 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी के इस मामले में पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर पर ढोने की कहानी है। यह उस वक्त का देश का पहला मामला माना गया जब बाइक और स्कूटर पर पशुओं को ढोया गया हो। यह पूरा मामला 1990-92 के बीच का है। CBI ने जांच में पाया कि अफसरों और नेताओं ने मिलकर फर्जीवाड़े का अनोखा फॉर्मूला तैयार किया। 400 सांड़ को हरियाणा और दिल्ली से कथित तौर पर स्कूटर और मोटरसाइकिल पर रांची तक ढोया गया, ताकि बिहार में अच्छी नस्ल की गाय और भैंसें पैदा की जा सकें।

महंगा होगा डीजल-पेट्रोल

क्रूड ऑयल 8 साल के रिकॉर्ड हाई पर, 5 राज्यों में चुनाव होते ही कंपनियां 15 रुपए तक बढ़ा सकती हैं दाम

- कच्चे तेल की कीमत
- रुपए के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की कीमत
- केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा वसूला जाने वाला टैक्स
- देश में फ्यूल की मांग

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश और पंजाब सहित 5 राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बाद आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर बड़ा झटका लग सकता है। विधान सभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आने हैं इसके बाद पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं, क्योंकि कच्चे तेल के दाम 8 साल के हाई लेवल पर जा पहुंचे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे पहले 2014 में कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर के पार गए थे।

100 डॉलर के पार जा सकता है कच्चा तेल

एक दिसंबर 2021 को कच्चे तेल का दाम 69 डॉलर प्रति बैरल था, जो अब 95 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। यानी ढाई महीने के भीतर कच्चे तेल के दामों में 37 फीसदी की तेजी आ चुकी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक जल्द ही ये 100 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा भी पार कर जाएगी। टेक्सास की ऑयल कंपनी पायनियर नेचुरल रिसोर्सेज के स्कॉट शेफील्ड ने कहा- अगर पुतिन हमला करते हैं, तो कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, लेकिन अगर बाइडेन ईरान पर से प्रतिबंध हटाते हैं, तो इनमें 10 डॉलर की गिरावट होगी। फिलहाल मार्केट में जितनी मांग है उतनी आपूर्ति नहीं है, इस वजह से यह तो तय है कि कीमतें 100 डॉलर के पार जाएंगी।

चुनाव आते ही लग जाता है पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ब्रेक:- एक्सपर्ट्स के अनुसार सरकार भले ही पेट्रोल-डीजल की कीमत निर्धारित करने में अपनी भूमिका से इनकार करती हो, लेकिन बीते सालों में ऐसा देखा गया है कि चुनाव के दौरान सरकार जनता को खुश करने के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाती है। पिछले सालों का ट्रेंड बता रहा है कि चुनावी मौसम में जनता को पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों से राहत मिली है।

15 रुपए तक बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। वहीं तेल कंपनियों ने 3 नवंबर से पेट्रोल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। लेकिन तब से लेकर अब तक कच्चा तेल 15 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा महंगा हो गया है। इतना ही नहीं, आगे भी इसमें तेजी जारी रह सकती है। ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 15 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा के वाइस प्रेसिडेंट और को-ग्रुप हेड प्रशांत वशिष्ठ के मुताबिक, कच्चा तेल 1 डॉलर प्रति बैरल महंगा होने पर देश में पेट्रोल-डीजल के दाम औसतन 55-60 पैसे प्रति लीटर बढ़ जाते हैं। ऐसे में यदि क्रूड 100 डॉलर पर पहुंचा तो पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए तक बढ़ सकते हैं।

3 नवंबर को सरकार ने घटाया था टैक्स

केंद्र सरकार ने 3 नवंबर को पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने की घोषणा की थी। अगले ही दिन देशभर में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आई और कई राज्यों ने भी पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम किया। इससे आम आदमी को राहत मिली थी। इसके बाद से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े हैं। रुझान बताते हैं कि पिछले करीब साढ़े तीन महीने से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है, जबकि इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतों में काफी तेजी आई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के साइड इफेक्ट : दावा-

100 डॉलर के पार जा सकता है कच्चा तेल, नेचुरल गैस की सप्लाई रुकी तो यूरोप में मचेगा हाहाकार

मॉस्को/कीव

रूस और यूक्रेन दोनों युद्ध के मुहाने पर पहुंच चुके हैं। हालात ऐसे हैं कि कभी भी सीधी लड़ाई शुरू हो सकती है। लगातार बढ़ते तनाव की वजह से दुनिया भर के क्रूड ऑइल मार्केट में भी उथल-पुथल जारी है। रूस एक दिन में एक करोड़ बैरल तेल का उत्पादन करता है, जो वैश्विक मांग का लगभग 10 फीसदी है। इसके साथ ही वो यूरोप में नेचुरल गैस का सबसे बड़ा सप्लायर है। अगर यह सप्लाई लाइन बिगड़ती है तो ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगेंगी। मांग के मुकाबले सप्लाई नहीं होने की वजह से क्रूड ऑयल की कीमत 90 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो कि 2014 के बाद सबसे ज्यादा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक जल्द ही ये 100 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा भी पार कर जाएगी। सोमवार को ऑयल मार्केट में करीब 2 फीसदी की तेजी आई। वहीं, यूरोपीय नेचुरल गैस की कीमतों में भी लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। युद्ध का सबसे बड़ा खतरा नेचुरल गैस की सप्लाई चेन के डैमेज को लेकर है। रूस यूक्रेनियन पाइपलाइन के जरिए यूरोप को कुल नेचुरल गैस का लगभग 33 फीसदी सप्लाई करता है। अगर यह सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो बिजली उत्पादन में कटौती करनी पड़ सकती है साथ ही कारखानों को भी बंद करना पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

हिजाब विवाद में कूदा मुस्लिम देशों का संगठन OIC, कहा- मुसलमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करे भारत

रियाद। भारत में चल रहे हिजाब विवाद में अब इस्लामिक देशों का संगठन ओआईसी भी कूद पड़ा है। इस्लामिक सहयोग संगठन ने हिजाब विवाद, धर्म संसद और मुस्लिम महिलाओं को ऑनलाइन निशाना बनाए जाने की खबरों को लेकर टिप्पणी की है। संगठन के महासचिव हुसैन इब्राहिम ताहिर ने संयुक्त राष्ट्र से इन मामलों को लेकर जरूरी कदम उठाने के लिए अपील की है। अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ओआईसी ने कहा, इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव ने उत्तराखंड के हरिद्वार में हिंदुत्व समर्थकों की ओर से मुसलमानों के नरसंहार के लिए आह्वान, सोशल मीडिया साइट्स पर मुस्लिम महिलाओं के उत्पीड़न की घटनाओं, साथ ही कर्नाटक में मुस्लिम छात्राओं के हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने पर गहरी चिंता जताई है। इससे पहले पाकिस्तान और अमेरिका भी हिजाब विवाद पर टिप्पणी कर चुके हैं। ट्वीट में कहा गया, ओआईसी के महासचिव ने इस संबंध में अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार परिषद से जरूरी कदम उठाने का आह्वान किया है। ओआईसी एक बार फिर भारत से आग्रह करता है कि मुस्लिम समुदाय के जीने के अधिकार की रक्षा करते हुए इसके सदस्यों के हितों की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करे। साथ ही उनके खिलाफ हिंसा और नफरत जैसे अपराधों को भड़काने वालों और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाए। यह पहली बार नहीं है कि जब मुस्लिम देशों के इस संगठन ने भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी की है। इससे पहले भी ओआईसी कश्मीर पर जहर उगल चुका है। पिछले साल विशेष दूत युसेफ एल्डोबे ने कहा था कि ओआईसी कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन करना जारी रखेगा।

कनाडा में ट्रक ड्राइवर्स पर सख्ती

प्रदर्शनकारियों के अकाउंट फ्रीज करेगी सरकार

कनाडा

कनाडा की सरकार ने वैक्सीनेशन को अनिवार्य कर दिया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ ट्रक ड्राइवर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं. इससे मजबूर होकर कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रदर्शनकारियों पर नकेल कसने के लिए पहले ही इमरजेंसी की घोषणा कर दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों के बैंक खातों को भी फ्रीज किया जाएगा। कनाडा में 50 वर्षों में पहली बार इमरजेंसी एक्ट लागू हुआ है। ट्रूडो ने कहा कि सरकार ने जो कदम उठाए हैं उसका दायरा समय-सीमित, उचित और आनुपातिक होगा. इमरजेंसी के दौरान सेना को तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन अधिकारियों को प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने और उनके ट्रकों को जब्त करने के लिए ज्यादा अधिकार दिए जाएंगे, इसके साथ ही विरोध प्रदर्शन की फंडिंग को बैन किया जाएगा। बैंक बिना अदालत के आदेश के ही प्रदर्शनकारियों के पर्सनल एकाउंट फ्रीज कर सकेंगे। पीएम ट्रूडो ने कहा यह कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने, लोगों की नौकरियों की रक्षा करने के लिए है। उन्होंने कहा कि पुलिस को प्रदर्शनकारियों को कैद करने या उन पर जुर्माना लगाने और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा करने के लिए अधिक उपकरण दिए जाएंगे

इमरान खान ने फिर छेड़ा कश्मीर राग, बोले- अच्छे पड़ोसी की तरह बातचीत से निकाला जाए हल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि कश्मीर का अनसुलझा विवाद चिंता का विषय है और दोनों देशों को अच्छे पड़ोसी की तरह वार्ता की मेज पर इस मामले का समाधान करना चाहिए। खान ने समाचार चैनल सीएनएन को दिए साक्षात्कार में कहा, ''अगर यह मुद्दा जारी रहता है तो हमेशा दोनों परमाणु शक्तियों के बीच संघर्ष होने की आशंका कायम रहेगी। तो आपके सवाल पर मेरा जवाब है, हां यह मुझे चिंतित करती है।'' उन्होंने कहा, ''और हमारा एकमात्र मुद्दा कश्मीर है और हमें अच्छे पड़ोसी की तरह वार्ता की मेज पर इसका समाधान करना चाहिए।''

क्यों हो रहा प्रदर्शन:- दरअसल कोविड 19 के बढ़ते खतरे को देखते हुए कनाडा की सरकार ने आदेश दिया है अमेरिका-कनाडा सीमा पर ट्रक ड्राइवरों का कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाना अनिवार्य रहेगा, तभी वह सीमा पार कर कनाडा में प्रवेश कर सकेंगे। कनाडा के ट्रक ड्राइवर्स इस मैनडेट का विरोध कर रहे हैं, जिसके बाद हजारों ट्रक ड्राइवरों ने फ्रीडम कॉन्वॉय नाम का विरोध प्रदर्शन शुरू किया है।

इजराइली पीएम का बहरीन दौरा

24 घंटे की विजिट पर अचानक बहरीन पहुंचे नफ्टाली बेनेट, किसी इजराइली प्रधानमंत्री का यह इस देश का पहला दौरा

तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्टाली बेनेट सोमवार को अचानक बहरीन के दौरे पर रवाना हुए। किसी भी इजराइली प्रधानमंत्री का यह पहला बहरीन दौरा है। खास बात यह है कि इस दौरे की पहले से कोई जानकारी किसी को नहीं थी। ऐन वक्त पर यह साफ हुआ कि बेनेट बहरीन की राजधानी मनामा में लैंड करेंगे। यह दौरा सिर्फ एक दिन का है। इस दौरान बेनेट बहरीन के सुल्तान किंग हमाद बिन इसा अल खलीफा और क्राउन प्रिंस-प्राइम मिनिस्टर सलमान बिन हमाद अल खलीफा से मुलाकात करेंगे। रवाना होने के पहले बेनेट ने कहा- मेरे लिए यह दौरा बहुत खास और रोमांचित करने वाला है। हम अपने इस क्षेत्र में सहयोग करके खतरों के खिलाफ एकजुटता चाहते हैं। बेनेट और सलमान के बीच नवंबर में क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस के दौरान भी मुलाकात हुई थी। तब क्राउन प्रिंस ने बेनेट को बहरीन आने का न्योता दिया था। मंगलवार को क्राउन प्रिंस से उनकी मुलाकात होगी। डोनाल्ड ट्रम्प जब अमेरिकी राष्ट्रपति थे तब सितंबर 2020 में अब्रॉहम अकॉर्ड के तहत इजराइल और यूएई ने इजराइल को मान्यता दी थी। वैसे तो इजराइल और सऊदी अरब के भी संबंध हैं, लेकिन सऊदी ने अब तक इजराइल को औपचारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है।

बहरीन में यहूदी समुदाय

अगस्त 2021 में बहरीन की राजधानी मनामा स्थित यहूदी धर्मस्थल सिनेगॉग में 50 यहूदियों ने प्रार्थना की थी। 74 साल में पहली बार ऐसा हुआ था जब यहूदी बहरीन में एक स्थान पर जुटे हों। इस दौरान इजराइली डिप्लोमैट्स भी मौजूद थे। दिसंबर में बेनेट ने यूएई का भी दौरा किया था। ये भी किसी इजराइली प्रधानमंत्री का पहला यूएई दौरा था। सितंबर में इजराइली फॉरेन मिनिस्टर येर लेपिड भी बहरीन दौरे पर गए थे। तब वहां इजराइली एम्बेसी का इनॉगरेशन हुआ था।

नजर कहां पर है

इजराइल, यूएई, बहरीन, सऊदी अरब और खाड़ी के बाकी देशों का एक ही साझा दुश्मन है। और वो है ईरान। माना जा रहा है कि खाड़ी के तमाम देश इजराइल को ईरान के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहते हैं, क्योंकि इजराइल जैसी ताकतवर खुफिया एजेंसी और सेना इन देशों के पास नहीं है। अमेरिका इस वक्त चीन के खिलाफ ज्यादा फोकस कर रहा है, लिहाजा ईरान का जवाब इजराइल को समझा जा रहा है।

क्वॉड समिट 2022 : अमेरिका ने की भारत की सराहना, कहा-

इंडिया ही क्वॉड को आगे बढ़ाने वाला इंजन

नई दिल्ली

व्हाइट हाउस ने भारत को क्वॉड की शक्ति और विकास का एक इंजन बताया है। साथ ही अमेरिका ने भारत को इंडो पैसिफिक रीजन में अपना प्रमुख सहयोगी भी बताया है। यह बयान मेलबर्न में 11 फरवरी को क्वॉड की हुई बैठक के बाद आया है। इस समिट में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए थे। व्हाइट हाउस की प्रिंसिपल प्रेस सेक्रेटरी कारीन जीन-पियरे ने वॉशिंगटन में मीडिया से कहा कि हम मानते हैं कि भारत दक्षिण एशिया और हिंद महासागर में लीडर की भूमिका में हैं। भारत दक्षिण पूर्व एशिया में सक्रिय है। वह क्वॉड को आगे बढ़ाने वाली ताकत और रीजनल डेवलपमेंट के लिए एक इंजन है।

क्वॉड बैठक में रूस-यूक्रेन के बीच तनाव पर भी चर्चा:- कारीन जीन-पियरे ने बताया कि मेलबर्न समिट में मंत्रियों ने इंडो-पैसिफिक रीजन में चीन की अस्थिर भूमिका और यूक्रेन-रूस के बीच उपजे विवाद पर चर्चा की गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने कहा कि रूस के कारण न केवल यूक्रेन, बल्कि दुनिया में सुरक्षा और समृद्धि का सालों से आधार रहे इंटरनेशनल रूल बेस्ड ऑर्डर को भी खतरा है। कारीन ने बताया कि इस दौरान ब्लिंकन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रूस से मिल रही चुनौतियों और यूरोपीय सहयोगियों का समर्थन करने की नीतियों पर भी चर्चा की।

भारत से जारी रहेगी स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप:- उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के साथ भारत की स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप जारी रहेगी। इसका मकसद दक्षिण एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देना, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष, साइबर स्पेस जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग करना, आर्थिक सहयोग को बढ़ाना और योगदान के लिए मिलकर काम करना होगा।

क्या है क्वॉड:- क्वॉड का मतलब %क्वाड्रीलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग% है। भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका इसके सदस्य हैं। क्वॉड का मकसद इंडो-पैसिफिक रीजन में शांति बनाए रखना है। 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पहल पर इसे तैयार किया गया था। 2019 में पहली क्वॉड बैठक हुई थी। उधर, चीन इससे बौखलाया हुआ है, क्योंकि इस संगठन का मकसद दूसरे मुद्दों के साथ समुद्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर लगाम कसना भी है।

न्यूज़ ब्रीफ

स्केटर अवॉर्ड पर आईओसी ने कहा- सही लोगों को दें मेडल

बीजिंग। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य डेनिस ओसवाल्ड ने कहा कि संगठन ने बीजिंग में खेलों के टीम फिगर स्केटिंग टूर्नामेंट के 'सही व्यक्ति% को ही पुरस्कार दिया जाना चाहिए। साथ ही कहा कि विजेताओं को पदक प्रदान करने के लिए पुरस्कार देने का समारोह स्थगित कर दिया गया है। ओसवाल्ड ने कहा, 'हमने महसूस किया कि पदक समारोह के बारे में फैसला करने से पहले मामले पर स्पष्टता होने तक इंतजार करना सुरक्षित है।% उन्होंने यह भी कहा कि आईओसी 'निष्कलंक% एथलीटों को दंडित नहीं कर सकता, भले ही वे रूस से हों। गौरतलब है कि इससे पहले सोमवार को खेल के लिए पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने रूसी स्केटर कामिला वलीवा के संबंध में आईओसी अंतरराष्ट्रीय स्केटिंग संघ (आईएसयू) और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की अपील को खारिज कर दिया और इसके साथ ही वलीवा के बीजिंग ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा में भाग लेने का रास्ता भी खुल गया।

चेतन सकारिया ने राजस्थान रॉयल्स का किया धन्यवाद, कहा- सदा उनके आभारी रहेंगे

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज चेतन सकारिया ने राजस्थान रॉयल्स के प्रति आभार व्यक्त किया है जिन्होंने उन्हें बड़े मंच पर अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया। सकारिया 30 नवंबर, 2021 को रॉयल्स द्वारा जारी किए गए खिलाड़ियों में से एक थे जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2022 मेगा नीलामी के दूसरे दिन उन्हें 4.2 करोड़ रुपए में खरीदा। सकारिया का बेस प्राइज 50 लाख था। सकरिया ने सोशल मीडिया पर लिखा, राजस्थान रॉयल्स के साथ आईपीएल का एक सीजन मेरे लिए एक बड़ा अवसर और सीखने की अवस्था थी। मैं अपने सभी साथियों और राजस्थान रॉयल्स में सहयोगी स्टाफ से जो कुछ सीखा है उसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मुझ पर जो विश्वास दिखाया उसके लिए वे सदा उनके आभारी रहेंगे। जुबीन सर और रॉमी सर निरंतर समर्थन के लिए एक विशेष धन्यवाद। अब दिल्ली कैपिटल्स के साथ एक नए अध्याय का समय है। चेतन सकारिया को आईपीएल 2021 की मिनी-नीलामी के उद्घाटन संस्करण के विजेता ने 1.2 करोड़ रुपए में अनुबंधित किया था। वह पिछले सीजन में गेंद के साथ वास्तव में प्रभावशाली थे और 14 मैचों में 14 विकेट लिए थे। युवा खिलाड़ी से अब इस बार दिल्ली के लिए और भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।

स्मृति मांधना और रेणुका सिंह शेष वनडे मैचों के लिए रहेंगी उपलब्ध

नई दिल्ली

भारतीय सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मांधना ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से ये साफ़ किया कि उनका क्वारंटीन पीरियड अब ख़त्म हो गया है, यानि वह अब न्यूज़ीलैंड सरकार द्वारा अनिवार्य आइसोलेशन और क्वारंटीन से बाहर आ गईं हैं। भारतीय दल में जुड़ने और फ़िटनेस टेस्ट में पास होने के बाद दौरे पर बचे हुए वनडे मैचों के लिए वह उपलब्ध हो जाएंगी। भारत फ़िलहाल वनडे सीरीज़ में 0-2 से पीछे चल रहा है। ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो को मिली जानकारी के मुताबिक़ सीमर मेघना सिंह भी मंगलवार को क्वारंटीन से बाहर आ जाएंगी। इससे पहले रेणुका सिंह का क्वारंटीन पीरियड 13 फ़रवरी को समाप्त हो गया था। हालांकि बीसीसीआई की ओर से अभी तक इन तीनों ही खिलड़ियों के ऊपर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, ऐसी जानकारी मिली है कि इनमें से एक का कोविड-19 टेस्ट पॉज़िटिव आया था। न्यूज़ीलैंड आने से पहले ये इन तीनों ही खिलाड़ियों ने वैक्सीनेशन का दोनों डोज़ ले लिया था। ऐसा माना जा रहा है कि ये तीनों ही खिलाड़ी 18 फ़रवरी से दल के साथ होंगी और चयन के लिए भी उपलब्ध रहेंगी। मांधना, मेघना और रेणुरका इकलौता टी20 अंतर्राष्ट्रीय और पिछले दोनों वनडे मैचों में भारतीय टीम के साथ नहीं थीं। टी20 अंतर्राष्ट्रीय में भारत को 18 रन से हार मिली थी जबकि पहले वनडे में मेज़बान टीम को 62 रन से जीत हासिल हुई थी और दूसरे वनडे में भी जीत का सेहरा न्यूज़ीलैंड के सिर बंधा था।
न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ इस सीरीज़ को वनडे विश्वकप की तैयारियों के लिहाज़ से देखा जा रहा है, जिसकी शुरुआत अगले महीने होने जा रही है। मेज़बान न्यूज़ीलैंड टूर्नामांट का आग़ाज़ वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ 4 मार्च को करेगा, जबकि भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के ख़िलाफ़ 6 मार्च को करेगी।

रोहित के नए सलामी साझेदार और निचले क्रम को मज़बूत करने पर होगी भारत की नज़र

नई दिल्ली

वनडे सीरीज़ एकतरफ़ा रही और उसके बाद आईपीएल के मेगा ऑक्शन के दोनों दिनों में भारतीय टीम के कुल 10 खिलाड़ियों के मूल्य में काफ़ी वृद्धि देखने को मिली। अब क्रिकेट का कारवां आ पहुंचा है कोलकाता के ईडन गार्डंस जहां 16 फ़रवरी से टी20 श्रृंखला की शुरुआत होगी। वेस्टइंडीज़ प्रशिक्षक फ़िल सिमंस का मानना है कि उनकी बल्लेबाज़ी वनडे के मुक़ाबले टी20 क्रिकेट के लिए कहीं ज़्यादा अनुकूल है और हाल ही में एक रोमांचक सीरीज़ में उन्होंने इंग्लैंड जैसी टीम को 3-2 से हराया भी। सबकी नज़र टिकी रहेगी भारत के कॉम्बिनेशन और खेलने की शैली पर, ख़ासकर पिछले साल यूएई में हुए विश्व कप में असफलता और उससे उत्पन्न निराशा के बाद। उस टूर्नामेंट के तुरंत बाद भारत ने न्यूज़ीलैंड को 3-0 ज़रूर हराया था लेकिन टीम के आगे कई सवाल अभी भी खड़े हैं। केएल राहुल के चोटग्रस्त होने का मतलब है कप्तान रोहित शर्मा को एक नए जोड़ीदार की दरकार है। नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी इशान किशन और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए निरंतर रन बनाने वाले ऋतुराज गायकवाड़ में से एक को यह मौक़ा दिया जाएगा। इशान के हित में एक और बात है कि वह विकेटकीपर की भूमिका निभा सकते हैं। ऐसे में आने वाले श्रीलंका के ख़िलाफ़ टी20 और टेस्ट सीरीज़ के लिए ऋषभ पंत को ताज़ा रखने के लिए विश्राम दिया जा सकता है।
वैसे एक और विकल्प होंगे कोलकाता नाइट राइडर्स के वेंकटेश अय्यर। आईपीएल 2021 में केकेआर के फ़ाइनल तक की दौड़ में ओपनर वेंकटेश का बहुत बड़ा योगदान था और वह मध्यम तेज़ गेंदबाज़ी भी कर सकते हैं। आईपीएल के यूएई चरण में वेंकटेश ने 40 की औसत और 125 के स्ट्राइक रेट से 320 रन बनाए थे और भारत को अपने टॉप छह में गेंदबाज़ी के विकल्प की वैसे भी तलाश है।

पेस अटैक के लीडर सिराज

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को विश्राम देने के फ़ैसले के चलते तेज़ गेंदबाज़ी क्रम की कमान होगी मोहम्मद सिराज के हाथों में। उनके आस-पास अच्छे सीमर्स हैं और स्पिन विभाग में युज़वेंद्र चहल के अनुभव और रवि बिश्नोई की ऊर्जा के बीच में चुनने का मौक़ा है। स्क्वाड में कुलदीप यादव चोटिल वॉशिंगटन सुंदर की जगह ले चुके हैं और हरप्रीत बराड़ नेट बोलर के रूप में हैं। बराड़ दीपक हुड्डा की तरह निचले मध्यक्रम की बल्लेबाज़ी को भी मज़बूत कर सकते हैं।

निचले क्रम से बल्लेबाज़ी की उम्मीद

अगर वेंकटेश को वनडे की तरह छटे नंबर पर खिलाया जाएगा तो हो सकता है सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर में से केवल एक को टीम में जगह मिलेगी। दोनों सिर्फ़ तब साथ दिखेंगे जब ऋषभ पंत को बाहर बिठाया जाए। काग़ज़ पर देखें तो शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और हर्षल पटेल के रहते हुए निचले क्रम में बल्लेबाज़ी काफ़ी मज़बूत दिखती है। ठाकुर और चाहर तो वैसे भी नेट्स में बल्लेबाज़ी पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। वहीं 2019-20 में घरेलू टी20 क्रिकेट में हरयाणा के लिए सलामी बल्लेबाज़ के रूप में हर्षल ने अपनी टीम के लिए सिर्फ़ 12 पारियों में सर्वाधिक 374 रन बनाए थे। नवंबर में भारत के लिए अपने इकलौते मैच में उन्होंने चाहर के साथ खेलते हुए 11 गेंदों पर 18 बनाए थे और टीम को छह विकेट पर 140 से सात पर से 184 के मैच जिताऊ स्कोर तक ले गए थे। फ़िलहाल संकेत यही है कि ठाकुर और चाहर में से एक को ग्यारह में शामिल किया जाएगा। बल्लेबाज़ी कोच विक्रम राठौड़ का कहना है, यह दोनों अच्छी बल्लेबाज़ी कर रहे हैं। और इसका कारण यही है कि यह बल्लेबाज़ी का निरंतर अभ्यास करते हैं।

रोहित शर्मा की अपने खिलाड़ियो को सलाह-

ऑक्शन भूलकर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज पर करें फोकस

नई दिल्ली

आईपीएल 2022 के लिए सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने अपनी टीम बना ली है। BCCI के सूत्रों के अनुसार 15वां सीजन 27 मार्च से शुरू हो सकता है। क्रिकेट के इस महासंग्राम का मेगा ऑक्शन 12 और 13 फरवरी को हुआ जिसमें 204 खिलाड़ी बिके हैं। आपको इस आर्टिकल के माध्यम से हम क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग की पल-पल की जानकारी आपको देते रहेंगे।

आईपीएल मेगा ऑक्शन पर पहली बार बोले रोहित शर्मा

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टीम इंडिया के अपने साथियों को अगले दो हफ्तों के लिए भारतीय टीम पर ध्यान देने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि आईपीएल ऑक्शन में जो कुछ भी हुआ है अब उस पर ध्यान नहीं दें। टीम का सारा फोकस वेस्टइंडीज के खिलाफ 16 फरवरी से शुरू हो रही टी-20 सीरीज पर होना चाहिए।

दूसरा वनडे गंवाने के बाद ऋचा घोष ने बताया हार का कारण

क्वीन्सटाउन

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष ने कहा कि वह और मिताली राज न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाना चाहते थे। अमेलिया केर (119*) और मैडी ग्रीन (52) की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार को क्वीन्सटाउन के जॉन डेविस ओवल में 5 मैचों की श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय मैच में भारत को तीन विकेट से हराया। घोष ने मैच के बाद कहा कि हमने अच्छी शुरुआत की और हम सिर्फ अपनी साझेदारी (मैं और मिताली) को आगे बढ़ाना चाहते थे। हमने साझेदारी बनाने के लिए दिमाग लगाया था क्योंकि एक विकेट गिर गया था। हमने अपने लिए निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं किया। हम चर्चा करते रहे कि क्या करना है और हमने उसी पर अमल करने की कोशिश की। मिताली राज और ऋचा घोष ने क्रमश: 66 और 65 रन की पारी खेली और भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में 270/6 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज सब्भिनेनी मेघना ने भी महज 50 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेलकर प्रभावित किया। शैफाली वर्मा (24), यास्तिका भाटिया (31) ने भी बल्ले से अच्छा किया लेकिन हरमनप्रीत कौर (10) प्रभावित नहीं कर पाई।

सीएसके ने बताया रैना को क्यों टीम में नहीं लिया: सीईओ विश्वनाथ बोले-

रैना अब टीम में फिट नहीं बैठते फ्रेंचाइजी को उनकी कमी खलेगी

रैना का नहीं होना हमारे लिए मुश्किल, हमने अपनी टीम की संरचना पर ध्यान दिया।

काशी विश्वनाथ
(CSK CEO)

नई दिल्ली

12 और 13 फरवरी को आईपीएल 2022 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई। ऑक्शन के दौरान अनसोल्ड खिलाड़ियों के नाम में जब सुरेश रैना का नाम आया तो देश के हर क्रिकेट फैन के लिए ये चौंकाने वाला था। रैना को उनकी पुरानी टीम चेन्नई सुपर किंग्स ने भी अपनी टीम का हिस्सा नहीं बनाया है। अब टीम के सीईओ काशी विश्वनाथ ने बताया रैना को चेन्नई की टीम के साथ क्यों नहीं जोड़ा गया। काशी विश्वनाथ ने चेन्नई के यूट्यूब चैनल पर कहा, %रैना पिछले 12 सालों से चेन्नई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि रैना का नहीं होना हमारे लिए बहुत मुश्किल था, हमने अपनी टीम की संरचना पर ध्यान दिया है। जो हर टीम ऑक्शन के दौरान कर रही थी और हमें लगा कि वह चेन्नई टीम में फिट नहीं हो सकते हैं।

रैना और फाफ डुप्लेसिस की कमी खलेगी

काशी विश्वनाथ ने आगे कहा कि हमारी टीम को रैना और फाफ डुप्लेसिस की बहुत कमी खलने वाली है। हम उन्हें मिस करेंगे। फाफ पिछले एक दशक से हमारे साथ थे, लेकिन यही नीलामी की प्रक्रिया है। आप जिसे चाहते हो उसे अपनी टीम का हिस्सा बनाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

इरफान ने कहा रैना के साथ गलत हुआ

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी इरफान पठान ने सुरेश रैना के लिए ट्वीट कर लिखा है कि मुझे अभी भी लगता है कि रैना को टीमों द्वारा खरीदा जा सकता था, हमने कुछ विदेशी खिलाड़ी देखे हैं जो 40 की उम्र तक आईपीएल खेल चुके हैं। रैना अभी 35 के हैं। एक खराब सीजन के कारण आप किसी खिलाड़ी के साथ ऐसे नहीं कर सकते हैं।
रैना का आईपीएल में स्ट्राइक रेट 136.76 का है। 2008 के पहले सीजन से ही रैना चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले। हालांकि, बीच में जब चेन्नई की टीम बैन हुई तो वो गुजरात लॉयंस के कप्तान बने, लेकिन दोबारा जब टीम ने वापसी की तो वो फिर टीम से जुड़ गए, लेकिन इस बार चेन्नई ने भी उन पर भरोसा नहीं जताया।

टी- 20 सीरीज से पहले भारत को बड़ा झटका

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज से वॉशिंगटन सुंदर चोट की वजह से बाहर, कुलदीप यादव टीम में शामिल

मुंबई

वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली घरेलू टी-20 सीरीज से पहले टीम इंडिया को झटका लगा है। टीम में शामिल ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण 3 टी-20 मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने टी-20 सीरीज के लिए कुलदीप यादव को मौका दिया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 सीरीज कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। सुंदर ने इसी महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए 3 वनडे मैचों की सीरीज से वापसी की थी। इससे पहले वह पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। लंबे समय बाद उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के जरिए वापसी की। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था, पर कोरोना होने की वजह से वह नहीं जा सके थे। उनकी जगह जयंत यादव को शामिल किया गया था।
अक्षर पटेल भी हो चुके हैं टीम से बाहर
सुंदर से पहले अक्षर पटेल भी टी-20 सीरीज से बाहर चुके हैं। भारत के पास अब युजवेंद्र चहल ही फ्रंटलाइन स्पिनर के रूप में बचे हैं। सुंदर भी अब केएल राहुल और अक्षर पटेल के साथ बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी(ह्र्र)में रिहैब के लिए जाएंगे। केएल राहुल वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 फरवरी को खेले गए दूसरे वनडे मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हो गए थे। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है, जबकि अक्षर पटेल अभी पिंडली की चोट से पूरी तरह नहीं उबरे हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज का शेड्यूल

16 फरवरी- पहला टी-20, कोलकाता
18 फरवरी-दूसरा टी-20, कोलकाता
20 फरवरी-तीसरा टी-20, कोलकाता
वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टी-20 टीम रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (उप-कप्तान), वेंकटेश अय्यर, दीपक चाहर, शार्दूल ठाकुर, रवि बिश्नोई, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, आवेश खान, हर्षल पटेल, ऋतुराज गायकवाड़, दीपक हुडा और कुलदीप यादव।

न्यूज ब्रीफ

बड़ी उपलब्धियां हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली में झेलम सबसे पुराने छात्रावासों में से एक है। यह जेएनयू के मशहूर गंगा ढाबे के नजदीक है। वर्ष 1977 में इस छात्रावास की शुरुआत केवल लड़कियों के लिए की गई थी। इसने बाद में एक विंग में लड़कों और दूसरे में लड़कियों के रहने की सुविधा दी। लेकिन मेस साझा था। भारत के लिए बिल्कुल अनूठी बात थी लेकिन यह प्रयोग काफी सफल रहा। बाद में, यह सिर्फ लड़कों के हॉस्टल में बदल गया। लेकिन ऐसा होने से पहले यहां एक छात्रा- शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित अध्यक्ष थीं जिन्हें अब इस विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया है। इसी जगह से उन्होंने अकादमिक श्रेष्ठता हासिल की। उन दिनों, जेएनयू में आपको दम घुटने जैसा अहसास हो सकता था अगर आप सामान्य रूप से जोश से भरे हों लेकिन वामपंथी न हों। पंडित (दोस्तों के लिए शांति के नाम से मशहूर) उन दिनों आक्रामक होने के साथ बेहद होनहार छात्रा भी थीं लेकिन उन्हें वामपंथ की विरोधी माना जाता था। उनके साथियों को याद है कि वह स्वतंत्र रूप से कांग्रेस के साथ अपने संबंधों (उन्होंने दोस्तों को बताया कि उनके पिता इंदिरा गांधी के प्रेस अधिकारी थे आदि) का उल्लेख किया करती थीं। उनके पिता एक मशहूर और सम्मानित पत्रकार, डी अंजनेयुलु थे, जो तेलुगू भाषी थे लेकिन चेन्नई में बसने के बाद उस शहर में प्रेस सूचना ब्यूरो के प्रमुख बन गए। वह मद्रास प्रेस क्लब के संस्थापक भी थे। अंजनेयुलु कांग्रेस नेता जी के मूपनार के पारिवारिक मित्र थे और जब उनकी बेटी जेएनयू में पढ़ाई कर रही थी तब मूपनार एक तरह से स्थानीय अभिभावक थे। शांतिश्री का जन्म सेंट पीटर्सबर्ग में हुआ था और उनकी मां लेनिनग्राद विश्वविद्यालय में तमिल और तेलुगू की प्रोफेसर थीं। उनकी मां का निधन काफी पहले हो गया। लेकिन शांति एक ऐसे घर में पली-बढ़ी जहां कई भाषाएं बोली जाती थीं और जहां शिक्षा का काफी महत्त्व था।

इसरो ने सफलतापूर्वक 3 उपग्रहों को स्थापित किया

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने भू-अवलोकन उपग्रह ईओएस-04 और दो छोटे उपग्रहों को सोमवार को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में उनकी कक्षा में स्थापित कर दिया। इसरो का 2022 का यह पहला प्रक्षेपण अभियान था। अंतरिक्ष एजेंसी के प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी 52 ने तीनों उपग्रहों के साथ 25 घंटे 30 मिनट की उलटी गिनती के बाद सुबह पांच बजकर 59 मिनट पर यहां से उड़ान भरी। इसरो ने कहा कि प्रणोदन, उष्मा से बचाने वाले कवच को अलग करना और कक्षा में स्थापित किए जाने सहित उड़ान की अहम गतिविधियां पूरी तरह से योजना के अनुरूप हुई। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा करीब 17 मिनट 34 सेकंड की उड़ान के बाद, तीनों उपग्रहों को 529 किमी की सूर्य- तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश कराया गया और उपग्रहों को जिन कक्षाओं में स्थापित किया गया वे लक्षित कक्षाओं से बहुत नजदीक हैं। बेंगलूरु स्थित इसरो के %टेलीमेट्री ट्रैकिंग ऐंड कमांड नेटवर्क% ने बताया कि आने वाले दिनों में उपग्रह को परिचालन की स्थिति में लाया जाएगा, जिसके बाद वह आंकड़े मुहैया कराना शुरू करेगा।

आम आदमी के लिए झटका: 7 महीने के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची महंगाई, रिटेल महंगाई दर जनवरी में 6.01 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली

जनवरी में खुदरा कीमतों के हिसाब से महंगाई दर बढ़कर 6.01 फीसदी हो गई, जो दिसंबर 2021 में 5.66 फीसदी थी। यह न केवल बीते 7 महीनों में सबसे ज्यादा है, बल्कि भारतीय रिजर्व बैंक के कम्फर्ट लेवल से भी ऊपर है। सरकार ने केंद्रीय बैंक को महंगाई दर 4-6 फीसदी के दायरे में रखने की जिम्मेदारी दी हुई है।

सोमवार को सरकार की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने खाने की चीजें और कारखानों में तैयार वस्तुओं के दाम सबसे ज्यादा बढ़े। आरबीआई ने गुरुवार को अनुमान लगाया था कि चालू वित्त वर्ष (31 मार्च 2022 तक) महंगाई दर 5.3 फीसदी रहेगी। लेकिन लगता है कि यह अनुमान गलत साबित होगा। देश में कोविड महामारी शुरू होने से अब तक चाय, खाद्य तेल और दाल जैसे रोजाना इस्तेमाल के जरूरी सामान 20फीसदी -40 फीसदी महंगे हो गए हैं।

घबराएं नहीं, पहले से थी आशंका: आरबीआई गर्वनर

महंगाई के आंकड़े आने से पहले ही आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा था कि आज जो आंकड़े जारी होने हैं, उसमें रिटेल महंगाई 6 फीसदी के आसपास रह सकती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। हमें इसकी आशंका पहले से थी। अक्टूबर से ही महंगाई बढ़ने की रफ्तार कम हो रही है।

जनवरी में थोक महंगाई में मामूली राहत, 13 फीसदी से नीचे

जनवरी में थोक महंगाई में मामूली राहत मिली है। बीते माह थोक महंगाई दर लगातार दूसरे महीने घटकर 12.96 फीसदी पर आ गई है। बीते साल दिसंबर में थोक भाव की महंगाई दर 13.56 फीसदी थी, हालांकि जनवरी 2021 में यह सिर्फ 2.51 फीसदी रही थी। अप्रैल 2021 के बाद से थोक महंगाई दर लगातार दोहरे अंकों में बनी हुई है।

सेबी के पूर्व चेयरमैन की राय

सर्विस प्रोवाइडर्स द्वारा 10 आम सेवाओं को किया जाए ट्रैक, व्यवस्थित हल खोजने की जरूरत

नई दिल्ली

सेबी के पूर्व चेयरमैन एम दामोदरन का कहना है कि प्रत्येक सर्विस प्रोवाइडर द्वारा प्रदान की जाने वाली 10 सबसे आम सेवाओं को ट्रैक किया जाना चाहिए। साथ ही लेन-देन के बजाय सिस्टेमेटिक समाधान खोजा जाना चाहिए।

केवल सेवा देने के लिए मौजूद हैं सर्विस प्रोवाइडर्स

एक्सीलेंस इनेबलर्स के चेयरमैन दामोदरन ने कहा कि सर्विस प्रोवाइडर केवल सेवा देने के लिए मौजूद हैं। इसलिए इनके स्पष्टीकरण और बहाने पर विचार नहीं किया जाना चाहिए। यही इस कोशिश की सबसे बड़ी कसौटी होनी चाहिए।

राइट टु सर्विस एक्ट का प्रयास हुआ था

उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले राइट टू सर्विस एक्ट बनाने का भी प्रयास किया गया था। इसका विधेयक राज्यसभा से पारित हो गया। हालांकि संबंधित संसदीय समिति की स्वीकृति मिलने के बाद भी यह विधेयक लोकसभा में पेश नहीं हुआ। इस प्रकार यह लैप्स हो गया।

सेबी का इन्वेस्टर्स चार्टर उन लोगों के लिए ठीक-ठाक है जो पिछले साल IPO में निवेश से चूक गए थे

एम दामोदरन, सेबी के पूर्व चेयरमैन

उसी समय कुछ राज्य सरकारों ने सेवा के अधिकार के लिए कानून बनाया। कम से कम एक राज्य ने उन अधिकारियों के लिए दंड का प्रावधान भी किया जो कानूनी मानकों को पूरा नहीं करते हैं।

अधिकार समय-समय पर बदलते रहते हैं

सेवा लेने वाले के अधिकार और अपेक्षाएं समय-समय पर बदलती रहती हैं। इसमें सबसे नया सेबी का इन्वेस्टर्स चार्टर है, जो उन लोगों के लिए एक सांत्वना पुरस्कार (ष्थ्ठु-ह्यश्चद्मड्डह्लद्बश्ठ्र श्चह्लद्ब5द्द) है जो 2021 के प्रमुख आईपीओ में निवेश से चूक गए थे। यह भी माना गया है कि सिटीजन चार्टर के माध्यम से लागू नहीं की जा सकने वाली अपेक्षाओं को स्थापित करने की तुलना में शिकायतों को ट्रैक करना और उनका निवारण करना कहीं अधिक आसान है।

अब इंटरनेट के माध्यम से लेन-देन हो रहे हैं

वित्तीय क्षेत्र में अब इंटरनेट के माध्यम से अधिक लेन-देन हो रहे हैं। इसके साथ आने वाले उत्पादों में भी बदलाव आया है। इन परिस्थितियों में सर्विस डिलीवरी की क्वालिटी को दिनों या घंटों में व्यक्त की गई समय-सीमा के माध्यम से ट्रैक करना एक बेवजह कार्य बन जाता है। ओवरआल स्तर पर लाखों मामले मौजूदा प्रशासनिक तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बन गए हैं।

सैकड़ों सेवाएं देते हैं सर्विस प्रोवाइडर्स:- दामोदरन कहते हैं कि यह भी पाया गया कि प्रत्येक सेवा प्रदाता सैकड़ों सेवाएं दे रहा था, इसलिए सिटीजन चार्टर के माध्यम से सेवा की क्वालिटी की निगरानी और ट्रैकिंग एक बड़ी चुनौती बन गई। इसलिए चार्टर के माध्यम से एक सिस्टेमेटिक अप्रोच बेहतर विकल्प है। मई 1997 में, मुख्यमंत्रियों के एक सम्मेलन में भारत में सिटीजन चार्टर की अवधारणा को अपनाया गया था। इसे पहली बार अधिकतम सार्वजनिक इंटरफेस वाले कुछ ही मंत्रालयों और विभागों में पेश किया गया था।

कम हो रहे मामले तो बढ़ रही हलचल

नई दिल्ली

देश में कोविड-19 के मामलों में गिरावट जारी रहने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों में और सुधार के संकेत मिले हैं। सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक देश में रोजाना दर्ज होने वाले मामले 35,000 से कम हैं। संक्रमण में कमी होने की वजह से लोग अब अधिक बाहर आ रहे हैं। सर्च इंजन गूगल के मोबिलिटी डेटा दर्शाते हैं कि खुदरा और मनोरंजन स्थलों पर जाने वालों की तादाद महामारी से पहले के दौर से अधिक है। गूगल अनाम लोकेशन डेटा का इस्तेमाल कर विभिन्न श्रेणियों वाली जगहों पर आने-जाने वालों का जायजा लेती है। अब लोगों की आवाजाही महामारी से पहले के दौर की तुलना में 1.86 फीसदी है। कार्यस्थल पर जाने वालों की तादाद अब 5.14 प्रतिशत अधिक है।

पहले के सप्ताह की तुलना में सोमवार सुबह 9 बजे यातायात अधिक था। मुंबई का यातायात 2019 की तुलना में 52 फीसदी कम था जबकि एक हफ्ते पहले की तुलना में 66 फीसदी कम था। नई दिल्ली में यातायात एक सप्ताह पहले के 48 फीसदी की तुलना में 38 फीसदी कम था। कई लोग हवाई मार्ग से उड़ान भर रहे हैं। हवाई यात्रियों की संख्या एक हफ्ते पहले के 14 लाख की तुलना में 18 लाख हो गई। विमानों की संख्या भी पहले के 11,738 की तुलना में 13,253 हो गई। देश में वाहनों के पंजीकरण की तादाद 2019 की तुलना में कम है। हालांकि यह अंतर कम हो रहा है। ताजा हफ्ते के दौरान 335,363 वाहनों का पंजीकरण हुआ। यह 2019 की तुलना में 15.1 फीसदी कम है। पिछले हफ्ते यह अंतर 17.6 फीसदी तक था।

वैश्विक तनाव से बाजार धड़ाम

मुंबई

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव से भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों में आज तेज गिरावट दर्ज की गई। दोनों देशों के बीच युद्ध के बढ़ते खतरे को देखते हुए निवेशकों ने जोखिम वाली संपत्तियों की जमकर बिकवाली की, जिससे सेंसेक्स 3 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया। ब्रेंट क्रूड के दाम 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए, जो सात साल में इसके सबसे अधिक दाम हैं। इससे कंपनियों के मुनाफे और वृहद आर्थिक परिदृश्य पर असर पडने् की आशंका है। रूस पर अमेरिकी

पाबंदियां लगने के डर से दूसरी जिंसों के भाव भी चढ़ गए हैं, जिससे मुद्रास्फीति में और तेजी आने की आशंका है। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में 1 फीसदी तक इजाफा किए जाने की संभावना है। इन सब बातों का निवेशकों के मनोबल पर प्रतिकूल असर पड़ा है। निवेशकों के कमजोर हौसले के बीच बेंचमार्क सेंसेक्स 1,747 अंक टूटकर 56,406 पर बंद हुआ, जो 21 दिसंबर, 2021 के बाद इसका सबसे कम स्तर है। निफ्टी भी 532 अंक या 3.1 फीसदी की गिरावट के साथ 16,843 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 में एक शेयर को छोड़कर सभी गिरावट पर बंद हुए। दोनों सूचकांकों में 12 अप्रैल, 2021 के बाद एक दिन में आई यह सबसे बड़ी और पिछले एक साल की तीसरी सबसे बड़ी गिरावट है। बीएसई पर 3,000 से ज्यादा शेयर नुकसान में बंद हुए और 550 ही लाभ में रहे।

सबसे बड़े आईपीओ की तैयारी

2 हजार रुपए हो सकता है एलआईसी के शेयर का भाव, ग्लोबल निवेशकों के साथ रोड शो शुरू

नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े आईपीओ का स्टेज तैयार होने लगा है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने ग्लोबल निवेशकों के साथ रोड शो शुरू कर दिया है। साथ ही ऐसी उम्मीद है कि इश्यू में इसके शेयर का भाव 2 हजार रुपए तय किया जा सकता है। एलआईसी ने रविवार को सेबी के पास इश्यू के लिए मसौदा जमा कराया है। कंपनी इसके जरिए 60-65 हजार करोड़ रुपए जुटा सकती है। यह 31.5 करोड़ शेयर बेचेगी जो कंपनी की 5 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इस आधार पर इश्यू का भाव 2 हजार रुपए के आस-पास हो सकता है। इसके पास कुल 632 करोड़ शेयर्स हैं। रिटेल निवेशकों को 5 फीसदी डिस्काउंट मिलता है तो उन्हें यह शेयर 1,900 रुपए के आस-पास में मिल सकता है।

ग्लोबल निवेशकों के साथ मीटिंग

जानकारी के मुताबिक, एलआईसी ने ग्लोबल निवेशकों जैसे HSBC, कैपिटल ग्रुप, कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, अबूधाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी और सिंगापुर जीआसी के साथ मीटिंग किया है। इसके साथ ही कनाडियन पेंशन फंड, स्टैंडर्ड लाइफ और HSBC म्यूचुअल फंड भी इसमें शामिल हैं।

घरेलू निवेशकों के लिए बाद में रोड शो:- वैसे घरेलू निवेशकों के लिए रोड शो बाद में शुरू किया जाएगा। कंपनी पहले विदेशी निवेशकों से एक भरोसा

इश्यू में 31.5 करोड़ शेयर जारी होंगे | 5% हिस्सा बेचने की तैयारी है | इससे 60-65 हजार करोड़ रुपए मिल सकते हैं

चाहती है कि वे इस इश्यू में अच्छी खासी संख्या में शामिल हों। चूंकि यह सबसे बड़ा और सरकार का इश्यू है, इसलिए एलआईसी किसी भी कीमत पर इसमें कोई चूक नहीं चाहती है। वह पहले ही यह तय कर लेना चाहती है कि इसे 100 फीसदी सब्सक्रिप्शन मिले।

6.2 लाख करोड़ रुपए का प्रीमियम

सेबी के पास जमा मसौदे के अनुसार, भारतीय जीवन बीमा इंडस्ट्री ने 2021 में कुल 6.2 लाख करोड़ रुपए का प्रीमियम हासिल किया था। यह एक साल पहले 5.7 लाख करोड़ रुपए था। ब्रोकिंग हाउस एंजल वन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एलआईसी का मार्केट कैप 13 से 15 लाख करोड़ रुपए होगा। यानी यह देश की सबसे मूल्यवान रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद सबसे बड़ी कंपनी होगी।

रिलायंस 16 लाख करोड़ वाली कंपनी

रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए के करीब है। इस समय एलआईसी में सरकार की 100 फीसदी हिस्सेदारी है। इसका असेट्स 44 लाख करोड़ रुपए के पार है। इसके पास 29 करोड़ पॉलिसीज और 34.3 लाख करोड़ रुपए का लाइफ फंड्स है। 2,048 ब्रांच ऑफिस, 8 जोनल कार्यालय, 113 विभागीय कार्यालय और 11.48 लाख एजेंट्स इसके हैं।

लगातार पॉलिसीधारकों के संपर्क में एजेंट

पिछले 2 महीने से एलआईसी के एजेंट लगातार अपने पॉलिसीधारकों से डीमैट अकाउंट खोलने के लिए कह रहे हैं। एलआईसी ने भी खुद कहा है कि अगर आप इस आईपीओ का हिस्सा बनना चाहते हैं तो आपको डीमैट अकाउंट खोलना होगा। भारतीय शेयर बाजार में एलआईसी का करीबन 3.67 फीसदी हिस्सा है। यानी अन्य कंपनियों में जो उसका निवेश है, वह इतना है। इसके इस हिस्से का कुल वैल्यू 9.53 लाख करोड़ रुपए है। NSE के 278 स्टॉक ऐसे हैं, जिसमें इसकी एक पर्सेंट से ज्यादा हिस्सेदारी है। बीमा कंपनियों का जो निवेश शेयर बाजार में है।

जियो प्लान पर हॉटस्टार और नेटफ्लिक्स फ्री : अमेजन प्राइम का मंथली सब्सक्रिप्शन भी फ्री मिलेगा, 399 के खर्च पर 677 का फायदा

नई दिल्ली

रिलायंस जियो अपनी पोस्ट पेड सर्विस में कई ओटीटी प्लेटफॉर्म का सब्सक्रिप्शन दे रही है। इसमें नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार का मंथली सब्सक्रिप्शन शामिल है। इन तीनों ओटीटी प्लेटफॉर्म के मंथली सब्सक्रिप्शन का खर्च करीब 677 रुपए है। यानी जियो अपने पोस्ट पेड ग्राहकों को इतने रुपए का बेनिफिट सभी पोस्ट पेड प्लान में दे रही है। जियो के पास 3 पोस्ट पेड प्लान है। सभी पोस्ट पेड प्लान पर जियो ग्राहकों को कितना फायदा मिलता है, चलिए जानते हैं। कोई ग्राहक नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार का मंथली प्लान लेता है तब उसे अपनी जेब से हर महीने 677 रुपए खर्च करने होंगे। जियो के पोस्ट पेड प्लान की शुरुआती कीमत 399 रुपए है। यानी 399 रुपए वाला प्लान मंथली ओटीटी सब्सक्रिप्शन को देखते हुए एकदम फ्री हो जाएगा। जियो के किस पोस्ट पेड प्लान पर यूजर को कितना

फायदा होगा ये भी जानते हैं। इन सभी पोस्ट पेड प्लान पर नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन मिलेगा। इसके साथ जियो के इन हाउस ऐप्स जैसे जियो टीवी, जियो सिक्योरिटी, जियो क्लाउड जैसे ऐप्स का सब्सक्रिप्शन भी मिलेगा। ग्राहकों को जियोप्राइम के लिए 99 रुपए अलग से देने होते हैं। इसमें अनलिमिटेड वॉइस कॉलिंग, डेली 100 स्म्स् भी मिलते हैं। सभी प्लान की वैलिडिटी उसके बिल साइकिल पर होगी।

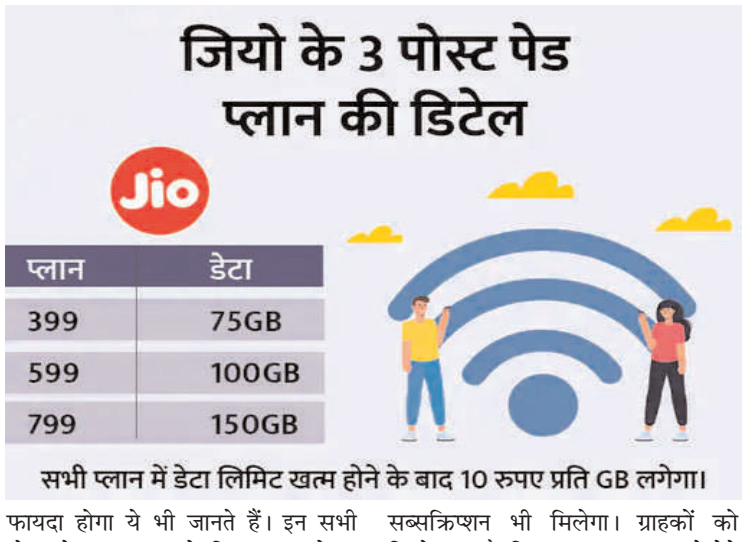

399 रुपए वाला पोस्ट पेड प्लान

इस प्लान पर एक महीने के लिए 677 रुपए वाले तीन ओटीटी सब्सक्रिप्शन (नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार) फ्री मिलेंगे। यानी इस प्लान पर 278 रुपए की बचत होगी।

599 रुपए वाला पोस्ट पेड प्लान

इस प्लान पर एक महीने के लिए 677 रुपए वाले तीन ओटीटी सब्सक्रिप्शन (नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार) फ्री मिलेंगे। यानी इस प्लान पर 78 रुपए की बचत होगी।

799 रुपए वाला पोस्ट पेड प्लान

इस प्लान पर एक महीने के लिए 677 रुपए वाले तीन ओटीटी सब्सक्रिप्शन (नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम और डिज्नीप्लस हॉटस्टार) फ्री मिलेंगे। यानी इस प्लान पर सिर्फ 122 रुपए ही जेब से देने होंगे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)